खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-141, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

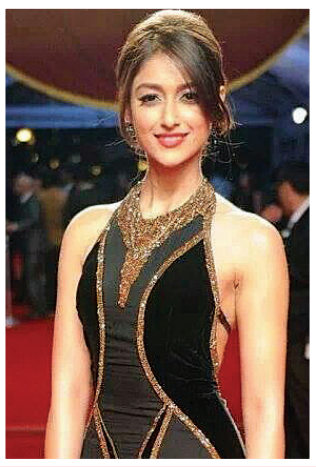

सुविचार

"अच्छे काम करते रहिए, चाहे लोग तारीफ करें या ना करें, आधी से ज्यादा दुनिया सोती रहती है, तब भी सूरज निकलता है।"

इलियाना डिक्रूज ने... पेज-8

मण्डी के बड़ा देव कमरूनागः इतिहास एवम् संस्कृति... पेज-6

शिमला, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक
अश्वनी वर्मा

मुसाफिर तो कांग्रेस के हो ही लिए

कांग्रेस में आखिर यह चल क्या रहा है। गंगूराम मुसाफिर को कांग्रेस में लिया जाता है। अगले ही दिन एक धड़ा ऐलान करता है कि मुसाफिर का निष्कासन छह साल के लिए हैख इसलिए उनका फैसला केन्द्रीय आलाकमान ने ही करना है। यह कांग्रेस में चल रहे घमासान का ही नतीजा है। पर मुसाफिर तो कांग्रेस के हो ही लिए हैं। उनकी ताकत को लोकसभा चुनावों में कौन नकार सकता है। आज राजगढ़ की एक जनसभा में मुसाफिर को मुख्यमंत्री का मंच साझा करते देखा गया। शानी कांग्रेस ने उन्हें पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। अब आप कह सकते हैं कि कांग्रेसअपने लोगों का ज्यादा दिन बाहर रखाने का अहम अब नहीं पाल सकती।

अब समय है धनबल पर सत्ता हासिल करने वालों को सबक सिखाने का

कांग्रेस धनबल पर सत्ता हासिल करने की चाहत रखने वालों के खिलाफ धनबल को ही मुद्दा बना रही है। कांग्रेस के छह विधायकों के खिसकने पर धनबल का प्रयोग हुआ है या नहीं, यह तो खिसकने वाले जानते होंगे या फिर अपनी खूफिया तंत्र की बदौलत सुक्खू सरकार। हकीकत चाहे कुछ भी हो लेकिन मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने धन बल को चुनावों में एक हथियार बनाया है। उनका कहना है कि कर्नाटक और महाराष्ट्र की सरकारें भी धनबल के प्रयोग से तोड़ी गई है। हिमाचल में भी उनकी सरकार को धनबल से तोड़ने की एक बड़ी साजिश हुई है।अब छह उप चुनावों में भाजपा के खिलाफ मोहर लगाकर इन बागियों और सरकार बनाने की चाहत रखने वालों को सबक सिखाने की जरूरत है। पर सवाल पर तो कांग्रेस सरकार पर भी तो उठेंगे भाजपा से आने वाले राकेश कालिया और रणजीत सिंह को भी आप ने उम्मीदवार उप चुनावों में बनाया है। धनबल को तो पता नहीं लेकिन टिकट का लालच तो उन्हें मिला ही है। सवाल खड़े हैं, उत्तर जनता के हाथ में हैं।

जनता की भावनाओं का सौदा करने वालों को नहीं बख्शना : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

1 जून को भाजपा के खिलाफ दबाएं बटन, लोकसभा की चार, विधानसभा की छह सीटें कांग्रेस की झोली में डालें , कहा भाजपा ने हिमाचल में कई लोकतंत्र की हत्या की

प्रचण्ड समय . राजगढ़ (सिरमौर)

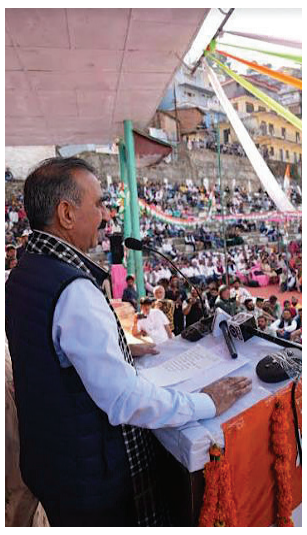

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को सिरमौर जिला के राजगढ़ में कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के लिए पहली जनसभा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की भावनाओं का सौदा करने वालों को बख्शना नहीं है।

जनक्रांति के रूप में 1 जून को भाजपा के खिलाफ बटन दबाएं। चारों लोकसभा व छह विधानसभा की सीटें कांग्रेस की झोली में डालें ताकि भाजपा की खरीद फरोख्त की राजनीति के खिलाफ पूरे देश में कड़ा संदेश जाए। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को अब सत्ता की बहुत भूख सता रही है, मुख्यमंत्री रहते वह पांच साल सोए रहे और पेपर बिकते गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को खत्म होने से जनता ही बचा सकती है। वोट से चुनी सरकार को नोटों के दम पर गिराने की साजिश रचने से बड़ी लोकतंत्र की हत्या और नहीं हो सकती। 75 साल में अगर लोकतंत्र जिंदा है तो कांग्रेस की नीतियों के कारण है। अगर आज एक चाय बेचने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री है तो यह कांग्रेस की नीतियों से संभव हुआ है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह ने कहा कि पच्छाद क्षेत्र की जनता का साथ मांगने आया हूं, जब जनबल और भगवान साथ हैं तो फिर भाजपा की सरकार गिराने की साज़िशों से घबराने वाला नहीं हूं।

महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैसे के दम पर सरकार गिराने की भाजपा की साजिश सफल हो गई, लेकिन हिमाचल में इनकी कोशिश सिरे नहीं चढ़ी।

भविष्य में इन्हें वोट के जरिये ऐसा सबक सिखाएं कि पूरे देश में हिमाचल मिसाल बने। जनता कोई भी क्रांति ला सकती है, इसलिए इस बार वोट की क्रांति लाएं और 1 जून को उसका अंत करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विनोद सुल्तानपुरी ईमानदार व साफ छवि के हैं। इनके पिता छह बार सांसद रहे, कोई उनका ईमान खरीद नहीं सका। विनोद को संसद में पहुंचाएं ताकि वह आपकी आवाज बुलंद कर सकें। आपके वर्तमान सांसद सुरेश कश्यप ने क्षेत्र का विकास नहीं करवाया, आपदा में विशेष राहत पैकेज लाने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाए। भाजपा के तीनों सांसदों ने आपदा में सरकार का साथ नहीं दिया न ही प्रधानमंत्री को उत्तराखंड व गुजरात के भुज की तर्ज पर विशेष राहत पैकेज के लिए एक चिट्ठी लिख सके।

मुख्यमंत्री ने युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व बीते विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का दामन थामने वाले मनीष ठाकुर को फूलमाला पहनाकर कांग्रेस पार्टी में शामिल किया। कांग्रेस उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि उनके पिता केडी सुल्तानपुरी ने छह बार सांसद बनकर शिमला संसदीय क्षेत्र की सेवा की है। यह जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ। वह भी संसद में इस क्षेत्र की आवाज बनना चाहते हैं, उन्हें आपका आशीर्वाद चाहिए। मैं आपका दामाद भी हूं, इसलिए अवश्य सहयोग करें।

प्रचण्ड समय

जनसभा में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, विधायक अजय सोलंकी, पूर्व स्पीकर गंगू राम मुसाफिर, पच्छाद से पूर्व प्रत्याशी दयाल प्यारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद परमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी रितेश कपरेट, युवा कांग्रेस अध्यक्ष निगम भंडारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इत्यादि मौजूद रहे।

पटका पहनते वक्त उतरा था बिकाऊ विधायकों का चेहरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमान बेचने वाले छह पूर्व विधायकों का चेहरा भाजपा का पटका पहनते समय उतरा हुआ था। जमीर बेचने की शिकन उनके चेहरों पर थी। एक बिकाऊ विधायक तो ऐसे हैं, उनके बिकने से दो दिन पहले मैंने लाहौल विधानसभा क्षेत्र के केलांग से इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि के 1500 रुपये महिलाओं को देने की शुरूआत की। तब तो वह मेरे बड़े कसीदे पढ़ रहे थे। हमारी सरकार चुनाव देखकर राजनीति नहीं करती। हमने तिब्बत की सीमा से सटे लाहौल से इसलिए 1500 रुपये की योजना की शुरूआत की ताकि वहां के निवासियों को लगे कि वे देश का अभिन्न अंग हैं।।

हिमाचल डिप्टी CM पर बड़ा दांव खेलेगी कांग्रेसःहमीरपुर से अनुराग ठाकुर के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ाने की तैयारी; सभी कैंडिडेट MLA संभव

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल में कांग्रेस हाईकमान डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री को चुनाव लड़ाना चाह रही है। मंशा केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का विजय रथ रोकने की है। इसके लिए आलाकमान प्रदेश के एक-दो नहीं चारों लोकसभा सीटों पर सीटिंग MLA को चुनाव लड़ाने का जोखिम लेने को तैयार है।

जबकि कांग्रेस के पास पहले ही विधायकों की संख्या 40 से कम होकर 34 रह गई है। चार सीटिंग MLA लोकसभा चुनाव जीतते है तो विधायकों की संख्या 30 रह जाएगी। वहीं हिमाचल हाईकोर्ट में चल रहे CPS केस की वजह से छह विधायकों की सदस्यता पर खतरा बना हुआ है।

कांग्रेस इससे पहले शिमला से विनोद सुल्तानपुरी और मंडी सीट से विक्रमादित्य सिंह को चुनावी मैदान में उतार चुकी है। विनोद सुल्तानपुरी कसौली तो विक्रमादित्य सिंह शिमला ग्रामीण से सिटिंग MLA हैं। अब कांग्रेस कांगड़ा और हमीरपुर से भी मौजूदा विधायक को लड़ाने की तैयारी है। कांगड़ा सीट से नगरोटा बगवां के विधायक आरएस बाली को चुनाव लड़ाना चाह रही है।

राजेंद्र राणा
(सुजानपुर)

सुधीर शर्मा
(धर्मशाला)

रवि ठाकुर
(लाहौल स्पीति)

चैतन्य शर्मा
(गगरेट)

देवेंद्र भुट्टो
(कुटलैहड़)

आईडी लखनपाल
(बड़सर)

मुकेश अग्निहोत्री पर दांव खेलने की तैयारी

मुकेश अग्निहोत्री लोकसभा चुनाव लड़ने को इनकार कर चुके हैं। फिर भी कांग्रेस के सीनियर लीडर हमीरपुर सीट से लगातार 4 चुनाव जीत रहे अनुराग ठाकुर के सामने सशक्त नेता को उतारना चाह रहे हैं। इसके लिए कांग्रेस यहां भी सीटिंग MLA पर एक्सपेरिमेंट करने की सोच रही है। इसलिए आखिरी मौके पर मुकेश अग्निहोत्री का नाम उछाला जा रहा है।

मुकेश से पहले उनकी बेटी आस्था अग्निहोत्री का नाम केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) मीटिंग में आगे बढ़ाया गया था। मगर, आस्था ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अपनी मां के निधन की वजह से चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है।

विधानसभा उप चुनाव पर निर्भर रहेगा सरकार का भविष्य

15 महीने पहले जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो पार्टी के 40 विधायक जीतकर आए थे। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट करने और पार्टी व्हिप का उलंघन करने वाले 6 कांग्रेस विधायकों के अयोग्य ठहराने के बाद संख्याबल कम होकर 34 रह गया।

कांग्रेस पर यह संकट विधानसभा उपचुनाव में जीत ही टाल सकती है। यानी कांग्रेस सरकार का भविष्य अब उपचुनाव पर निर्भर है। कांग्रेस को अपने विधायकों का आंकड़ा 35 हर हाल में करना होगा। ऐसा नहीं किया गया तो BJP अपने अधूरे मिशन लोटस को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

BJP के 11 विधायकों ने CPS को दे रखी चुनौती

भाजपा के 11 विधायकों ने CPS को ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का पद बताते हुए न केवल CPS बल्कि विधायकों की सदस्यता भी खत्म करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका डाल रखी है। यह केस अदालत में विचाराधीन है और इस मामले में 8 मई को दोबारा सुनवाई होनी है। यदि इनकी सदस्यता गई तो निश्चित तौर पर सरकार पर गंभीर संकट आ जाएगा। इनकी सदस्यता बच जाती है तो भी सरकार को पूर्ण बहुमत के लिए उप चुनाव जीतने होंगे।

इतनी सीटों पर होंगे उप चुनाव

CPS बनाए गए 6 विधायकों की सदस्यता गई तो BJP की राह आसान हो जाएगी। इससे हिमाचल सरकार का भविष्य विधानसभा उप चुनाव पर निर्भर करेगा। फिलहाल अभी छह सीटों पर उप चुनाव तय है।

तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर किए गए तो उप चुनाव नौ सीटों पर होगा। 6 CPS की सदस्यता गई तो 15 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होगा। इसी तरह लोकसभा में प्रत्याशी बनाए गए जितने सिटिंग MLA चुनाव जीतते हैं, उन सीटों पर भी उपचुनाव होगा।

अभी विधानसभा में विधायकों का संख्या बल

68 विधायकों वाली हिमाचल विधानसभा में बहुमत के लिए 35 विधायक चाहिए। जो अभी कांग्रेस के पास नहीं है। मगर अयोग्य ठहराए गए विधायकों के कारण अभी हाउस 62 का है।

वर्तमान में कांग्रेस के पास 34 विधायक, BJP के पास 25 और 3 निर्दलीय है। मगर 3 निर्दलीय BJP जॉइन कर चुके हैं। इन्होंने अपने पद से रिजाइन कर दिया है। यानी इनका इस्तीफा स्वीकार होते ही हाउस 59 का रह जाएगा।

राज्यपाल ने पेंशनर कल्याण संघ की स्मारिका का विमोचन किया

प्रचण्ड समय . शिमला

ज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज राजभवन में पेंशनर कल्याण एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की स्मारिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि पेंशनधारकों ने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन पेंशनधारकों के बीच सौहार्द और भाईचारे की भावना को बढ़ाने के साथ-साथ उनके कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है।

राज्यपाल ने एसोसिएशन की गतिविधियों एवं प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पेंशनधारकों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने एसोसिएशन से भविष्य में भी इसी तरह के प्रयास जारी रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष आत्मा राम शर्मा और अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

कांग्रेस ने हरियाणा में मुकाबले की तस्वीर साफ कर दी,गुरुग्राम सीट पर फैसला अभी बाकी

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . कांग्रेस ने हरियाणा की आठ लोकसभा सीटो के लिए गुरुवार देर रात प्रत्याशी घोषित कर चुनावी मुकाबलों की तस्वीर साफ कर दी लेकिन गुरुग्राम सीट पर अभी तक फैसला नहीं किया जा सका है।गुरुग्राम सीट पर पार्टी द्वारा अभिनेता राजबब्बर को उतारे जाने के संकेत मिल रहे थे।गुरुग्राम से टिकट के दावेदार ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव अभिनेता को टिकट देने का विरोध कर रहे है।कुरुक्षेत्र सीट पहले ही इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी को दी जा चुकी है। कुरुक्षेत्र से सुशील गुप्ता प्रत्याशी है।

टिकट बटवारे से साफ जाहिर है कि पार्टी के आंतरिक सर्वे और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा की राय से फैसला किया गया।करनाल सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मुकाबले युवा कांग्रेस के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा को उतार कर चौंकाया है। खास बात ये भी है कि जिन आठ प्रत्याशियों पर कांग्रेस आलाकमान ने मुहर लगाई है। इनमें कुमारी सैलजा को छोड़कर बाकी सात सीटों पर पूर्व सीएम हुड्डा की पसंद के उम्मीदवार उतारे गए हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिसार में पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश जेपी को टिकट दिलवाकर अपनी ताकत का अहसास कराया है। हिसार से फिर एकबार टिकट मिलने की उम्मीद से भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए चौधरी बीरेंद्र सिंह के पूर्व आईएएस पुत्र बृजेंद्र सिंह को निराशा हाथ लगी है। बृजेंद्र सिंह 2019के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर हिसार से चुने गए थे। बृजेंद्र सिंह की दावेदारी हिसार के साथ-साथ सोनीपत सीट पर भी थी। पिछले दिनों बीरेंद्र सिंह का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे थे कि सोनीपत से अच्छा उनके लिए हिसार रहेगा।

रोहतक लोकसभा सीट से भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र दीपेंद्र हुड्डा को टिकट दिया गया है। दीपेंद्र रोहतक से पिछला चुनाव भाजपा के अरविंद शर्मा के मुकाबले मामूली अंतर से हार गए थे।इस बार भी उनका मुकाबला अरविंद शर्मा से ही होगा। भूपेंद्र हुड्डा दीपेंद्र हुड्डा के राज्यसभा सदस्य होते हुए भी लोकसभा के लिए टिकट दिलाने में कामयाब रहे। आला कमान पहले राज्यसभा की एक सीट गंवाने के पक्ष में नहीं था। सिरसा सीट से कुमारी सैलजा अपने प्रभाव से टिकट लेने में कामयाब रही हैं। हालांकि हुड्डा गुट की ओर से सैलजा का नाम अंबाला व सिरसा दोनों लोकसभा सीटों के लिए पैनल में भेजा गया था। लेकिन सिरसा का चयन स्वयं सैलजा ने किया है।

करनाल से युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा को टिकट दिया है। दिव्यांशु की गिनती दीपेंद्र सिंह हुड्डा के बेहद खास समर्थकों में होती है। दिव्यांशु ने सरकार के विरुद्ध बेरोजगारी व नौकरियों में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कई आंदोलन किए हैं।दो बार के मुख्यमंत्री और उम्र से अनुभवी मनोहर लाल के मुक़ाबिल बुद्धिराजा को टिकट देकर चौकाया है।अंबाला से भूपेंद्र हुड्डा खेमे के मुलाना विधायक वरुण चौधरी को टिकट दिया है।रोहतक के बाद जाटलैंड की दूसरी अहम सीट सोनीपत से सतपाल ब्रह्मचारी को टिकट दिया है।सतपाल ब्रह्मचारी को टिकट देकर ब्राह्मण समुदाय को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया है।

हिसार सीट पर जय प्रकाश जेपी कई बार चुनाव लड़कर हार चुके हैं, लेकिन उनकी वहां पकड़ मजबूत बताई जाती है। इसलिए जेपी को टिकट दिलाना पार्टी हित में समझा है, जबकि एसआरके गुट उनके नाम पर बिल्कुल भी सहमत नहीं था। हिसार में एसआरके गुट चंद्र मोहन बिश्नोई और बृजेंद्र सिंह का नाम आगे कर चल रहा था।हुड्डा ने करनाल और सोनीपत में पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा के नाम की भी लाबिंग की थी, मगर पार्टी कुलदीप को टिकट देने के लिए राजी नहीं हो पाई । सोनीपत में बीरेंद्र सिंह अपने बेटे के लिए लाबिंग कर रहे थे।

भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से भी हुड्डा समर्थक महेंद्रगढ़ विधायक राव दान सिंह को टिकट दिया है। किरण चौधरी की बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी का टिकट कटने से एसआरके गुट को बड़ा झटका लगा है। पिछले कई दिनों से किरण चौधरी अपनी बेटी के लिए लाबिंग कर रही थी। एसआरके गुट भी श्रुति चौधरी की टिकट के लिए अड़ा हुआ था। दो दिन पहले ही श्रुति चौधरी ने गोलमोल ट्वीट के माध्यम से डी नाम के उम्मीदवार की हार का दावा किया था, लेकिन बाद में उन्होंने डी का मतलब भाजपा उम्मीदवार चौधरी धर्मबीर सिंह बताया था।

फरीदाबाद सीट से हुड्डा अपने रिश्तेदार पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल को टिकट नहीं दिला पाए हालांकि टिकट पाने वाले पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह भी हुड्डा के खास समर्थकों में गिने जाते हैं। करण सिंह को टिकट नहीं मिलने से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ सकती है।

गुरुग्राम लोकसभा सीट पर उम्मीदवारी को लेकर अभी टकराव बरकरार है। गुरुग्राम में हुड्डा गुट फिल्म अभिनेता राज बब्बर को टिकट दिलाना चाहता है। राज बब्बर के अलावा हुड्डा गुट की तरफ से राव दान सिंह, जितेंद्र भारद्वाज, चौधरी आफताब अहमद के नाम भी पैनल में भेजे गए थे, लेकिन जब राज बब्बर को चुनाव लड़वाने की बारी आई तो हुड्डा ने उनके सामने बाकी सभी नाम हटा लिए।

लघु उद्योग भारती ने प्रदेश कार्यालय में मनाया संगठन का 30वां स्थापना दिवस

प्रवीण शर्मा . बद्दी

देश के सबसे बड़े औद्योगिक संगठन लघु उद्योग भारती ने हिमाचल प्रदेश ईकाई का 30वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। संगठन के बद्दी स्थित प्रदेश कार्यालय में स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान संगठन के पुराने व वरिष्ठ सदस्यों डॉक्टर विक्रम बिंदल, राजेश बंसल, विक्रम बिंदल, विनोद खन्ना, सतीश सेठी व स्वर्गीय केसी राजपूत के पौत्र कार्तिक को प्रदेश अध्यक्ष हरबंस पटियाला व बद्दी चैप्टर के अध्यक्ष राजीव चौहान व अखिल मोहन अग्रवाल ने सम्मानित किया।

लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के पदाधिकारी व सदस्य।

वरिष्ठ सदस्य राजेश बंसल ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया के स्वर्गीय केसी राजपूत के प्रयासों से प्रदेश में लघु उद्योग भारती का पौधा लगाया गया था। 25 अप्रैल 1994 को 8 सदस्यों के समूह ने हिमाचल प्रदेश में लघु उद्योग भारती की नींव रखी। जबकि पुराने सदस्य विनोद खन्ना ने बताया के आज हिमाचल में लघु उद्योग भारती के 8 चैप्टर हैं और 1053 सदस्यों का कारवां संगठन के साथ चल रहा है। विनोद खन्ना ने कहा के लघु उद्योग भारती देश का सबसे बड़ा औद्योगिक संगठन है जो केंद्र व प्रदेशों में उद्योगों की लड़ाई लड़ता है। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव व पुराने कार्यकर्ता विक्रम बिंदल ने अपने संबोधन में कहा के लघु उद्योग भारती केवल लघु व मध्यम उद्योगों का संगठन न होकर एक सामाजिक संगठन है जिसमें उद्यमियों के हितों से पहले राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखा गया है। उन्होंने कहा के आज युवाओं को रोजगार देने व देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में लघु उद्योगों का अहम योगदान है।

बैठक को संबोधित करते हुए लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष हरबंस पटियाल ने संगठन को इस मुकाम तक पहुंचाने वाले पूर्व में रहे सभी अध्यक्षों व पदाधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा के आज लघु उद्योग भारती उद्योगों की समस्याओं को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उठाकर उनके निराकरण में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा के वर्ष 2025 तक प्रदेश में 1500 से 2000 सदस्य संख्या करने का लक्ष्य प्रदेश ईकाई ने रखा है जिसमें प्रदेश के सभी 8 चैप्टर अपना योगदान देंगे। उन्होंने बताया के इस समय लघु उद्योग भारती 1053 मेंबर हैं जिसे बढ़कर 2000 किया जाएगा। उन्होंने संगठन की आगामी नीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की।

बद्दी चैप्टर के अध्यक्ष राजीव चौहान ने सभी मेंबर उद्योगों से आग्रह किया के वह अपनी समस्याएं मेल व लिखित तौर पर संगठन के समक्ष रखें ताकि उनका हल करवाया जा सके। उन्होंने स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। लघु उद्योग भारती के प्रदेश मीडिया इंचार्ज ओम शर्मा ने बताया के इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष हरबंस पटियाला व प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिल मोहन अग्रवाल की सहमति से बद्दी के युवा सीए गौरव खन्ना को प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। सीए गौरव खन्ना संगठन का लेखाजोखा संभालने में सहयोग करेंगे।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर विक्रम बिंदल, प्रदेश अध्यक्ष हरबंस पटियाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिल मोहन अग्रवाल, बद्दी चैप्टर के अध्यक्ष राजीव चौहान, विनोद खन्ना, राजेश बंसल, समर सिंह चंदेल, दीपंकर, दीपक, कार्तिक स्वेइया, गौरव खन्ना, राजेन्द्र प्रताप, कैलाश चंद, सतीश सेठी, सुमेंदर विष्ट, राजेश पटियाल, सुखविंदर सिंह, दीपक चंदेल, नवीन चंद्र, अमित वाधवा व ओम शर्मा उपस्थित रहे।

वर्तमान कांग्रेस सरकार कर्मचारी विरोधी सरकार : कश्यप

प्रचण्ड समय . कसौली सोलन

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कसौली विधान सभा क्षेत्र का प्रवास किया उन्होंने कहा की वर्तमान कांग्रेस सरकार कर्मचारी विरोधी सरकार है।

उन्होंने कहा की प्रदेश में वोकेशनल शिक्षकों को 3 माह से वेतन नहीं मिला है । पिछले 11 वर्षों से स्कूलों में तैनात व्यावसायिक शिक्षकों को वेतन संबंधित समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। आए दिन कंपनियों द्वारा व्यावसायिक शिक्षकों को तुगलकी फरमान जारी करना इस सरकार के लिए कोई नई बात नहीं है। यही कारण है कि समय समय पर निजी कंपनियों को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए मांग उठाई जाती रही है।

उन्होंने कहा की सरकार के आर्थिक हालात विभागीय योजनाओं को पूरा करने में रोड़ा बन गए हैं। यही कारण रहा कि पिछले वित्त वर्ष में बजट प्रोवीजन के बावजूद लगभग 1200 करोड़ रुपये का सरेंडर हुआ है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के वित्तीय कुप्रबधन के कारण विकास अवरूद्ध है, 15 महीने के कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में एक भी विकास कार्य नहीं किया है अपितु प्रदेश के विकास में रोड़ा अटकने का कार्य जरूर किया है। जहां पूर्व भाजपा सरकार ने हिमाचल की विकास की गति को पंख लगाए थे वहीं वर्तमान सरकार ने विकास की गति को विराम लगा दिया है।

उन्होंने कहा की प्रदेश में हिमकेयर योजना के तहत निःशुल्क इलाज के जरूरतमंद गरीब मरीजों को झटका लगा है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी ने अधिकांश सुपर स्पेशियलिटी विभागों में सर्जरी बंद कर दी है। कारण यह है कि अकेले आईजीएमसी का ही हिमकेयर में 70 करोड़ बकाया हो गया है। इस योजना से हिमाचल प्रदेश में जनता को बड़ा लाभ हो रहा था पर कांग्रेसी सरकार में इस योजना को बाधित कर इस लाभ को रोक दिया। आयुष्मान भारत और हिम केयर योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में 300 करोड़ का बकाया चल रहा है। जनता परेशान है और सरकार मस्त है।

बिलासपुर में मुख्य सचिव ने लोक सभा चुनाव की तैयारी की ली समीक्षा बैठक

सुमन डोगरा . बिलासपुर

जिला बिलासपुर में शुक्रवार को मुख्य सचिव प्रमोद सक्सेना ने आगामी लोकसभा चुनाव के मध्य नजर समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने मतदान प्रक्रिया में लगे अधिकारी और कर्मचारियों को निष्पक्ष व शांतिपूर्वक तरीके से चुनाव संपन्न करने के निर्देश दिए।

विगत चुनावों के मुकाबले मत प्रतिशत्तता बढ़ाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मत प्रतिशतता बढ़ाने के लिए जिला में और अधिक प्रयास किया जाए ताकि शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

उन्होंने जिला में मतदान प्रक्रिया में लगे अधिकारियों कर्मचारियों के प्रशिक्षण, निष्पक्ष एवं मतदान में पारदर्शिता लाने के लिए पुलिस और जिला निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर किए जा रहे कार्यों की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चत करने को कहा।

उन्होंने जिले में सुरक्षा प्रबंधन, मतदान केन्द्रों पर मतदाता सुविधाओं, चुनावी कर्मियों की रिहर्सल समेत चुनाव प्रबंधन से जुड़े हर पहलू पर बारीकी से जानकारी ली तथा आवश्यक मार्गदर्शन किया

जिला बिलासपुर में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत युवा मतदाताओं के साथ-साथ आम मतदाताओं को भी मतदान के प्रति प्रेरित करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की ।

बिलासपुर में मुख्य सचिव ने निर्झर को हरी झंडी देकर किया रवाना

बिलासपुर में शुक्रवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मुख्य सचिव प्रमोद सक्सेना ने वरिष्ठ लेखक व साहित्यकार रत्न चंद निर्झर को हरी झडी देकर रवाना किया। रत्न चंद निर्झर आज से बिलासपुर के 43 पोलिंग बूथों में पैदल मार्च करते हुए लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए पैदल मार्च करते हुए जागरूक करेंगे।

प्रचण्ड समय

स्वीप कार्यक्रम के तहत घुमारवीं और झंडूता विधानसभा क्षेत्र में पैदल मार्च करते हुए प्रत्येक बूथों और डोर-टू-डोर जाकर 1 जून 202से पहले लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करेंगे।

जिसमें वह घुमारवीं और झंडूता विस क्षेत्र को कवर करेंगे। वहीं, इस पैदल मार्च में जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए बूथ लेवल ऑफिसर उनको प्रत्येक बूथों पर स्वागत भी करेंगे।

जिसके बाद वह प्रत्येक बूथों पर जाकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक करेंगे और मतदान की इंपोटेंस को भी बताएंगे।

इन पोलिंग स्टेशनों पर जाकर वह मतदान के लिए जागरूक करेंगे। झंडूता विस क्षेत्र में कुल 26 पोलिंग बूथ और घुमारवीं में 17 पोलिंग बूथों पर जागरूक करेंगे।

रत्न चंद निर्झर यात्रा के दौरान सबसे पहले ऋषिकेश पंचायत पहुंचे जहां पंचायत सचिव और बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा निर्झर का स्वागत किया गया।

न्यूज ब्रीफ..

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एक व्यापक कार विवरण समाधान टीग्लॉस लॉन्च किया

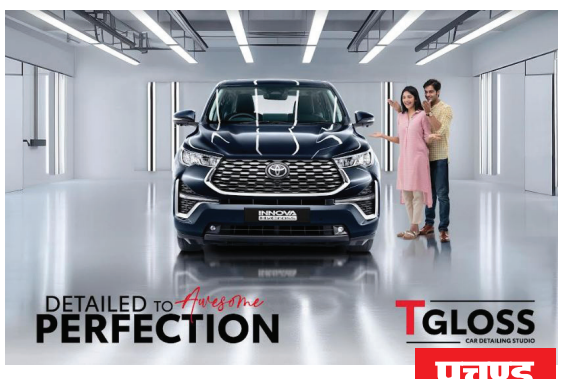

प्रचण्ड समय

धर्मशाला. ग्राहक सबसे पहले के अपने दर्शन के अनुरूप टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड (टीकेएम) ने आज अपने क्रांतिकारी कार केयर ब्रांड टीग्लॉस की पेशकश की घोषणा की है।यह कार डिटेलिंग की दुनिया में ब्रांड के प्रवेश का मौका है। भारत में कार ग्राहकों के बीच उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीय कार विवरण सेवाओं की बढ़ती मांग के जवाब में टीकेएम कार देखभाल उद्योग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।इसकी शुरुआत विशेष रूप से टोयोटा वाहनों के लिए तैयार किए गए समाधानों की व्यापक श्रृंखला के साथ हो रही है।1 मई 2024 से भारत में प्रत्येक अधिकृत टोयोटा डीलरशिप पर टीग्लॉस उपचार की पेशकश की जाएगी।किसी भी कार निर्माता द्वारा उद्योग में पहली बार पेश की गई इस तरह की सेवा टीग्लॉस ब्रांड के तहत उपलब्ध होगी।टीकेएम वाहन की आंतरिक और बाहरी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए क्यूरेट की गई सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेगा। इसमें सिरेमिक कोटिंग,अंडर बॉडी कोटिंग,साइलेंसर कोटिंग और आंतरिक पैनल सुरक्षा शामिल है।

सबरी मनोहर उपाध्यक्ष,बिक्री सेवा प्रयुक्त कार व्यवसाय टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा हम टीग्लॉस का अनावरण करते हुए रोमांचित हैं जो एक अभिनव और उद्योग का पहला उद्यम है जो टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की ग्राहक सबसे पहले दर्शन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।टीग्लॉस को उनकी कारों को सौंदर्य की दृष्टि से उत्कृष्ट स्थिति में रखने में मदद करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।टीग्लॉस एक वन स्टॉप शॉप समाधान है जिसका उद्देश्य ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले कार देखभाल समाधान प्रदान करना है जो विशेष रूप से टोयोटा वाहनों के लिए तैयार किए गए हैं ताकि वाहनों की सुरक्षा और रख रखाव को सुनिश्चित किया जा सके।

पात्र युवा मतदाता के रूप में पंजीकरण सुनिश्चित करें: डॉ. जगदीश चंद नेगी

प्रचण्ड समय

सोलन . गुरुकुल इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोलन में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक (उच्चतर शिक्षा) सोलन डॉ. जगदीश चंद नेगी ने की। डॉ. जगदीश चंद नेगी ने सभी पात्र मतदाताओं का आह्वान किया कि वे प्रथम जून, 2024 को मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए सबसे पहले मतदाता के रूप में पंजीकरण करवाना युवाओं का कर्तव्य है। प्रथम अप्रैल, 2024 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा अपना मतदाता के रूप में पंजीकरण अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि हर एक विद्यार्थी यदि चाहे तो अपने परिवार व आस-पास उपस्थित मतदाताओं की निर्वाचन में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करके लोकतंत्र के महापर्व में भागी बन सकता है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं, अध्यापक अभिभावक संघ के सदस्यों, उपस्थित स्टाफ के साथ निर्वाचन विभाग का संदेश साझा करते हुए स्वीप कार्यक्रम में भागी बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस का सनातन विरोधी चेहरा उजागर, प्रदेश में राम विरोधी को लड़ाया राज्यसभा चुनाव : बिंदल

प्रचण्ड समय . शिमला

मीडिया से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने कहा कि इंडी गठबंधन नहीं चाहते कि देश में फिर सरकार बने और मजबूत प्रधानमंत्री बने। कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य है कि अनेक पार्टियों के कुछ-कुछ सांसदों को एकत्र करके अस्थिर सरकार बनाना, कमजोर प्रधानमंत्री बनाना, फिर 6 महीने और एक साल में उसे हटाना और दूसरा बनाना। कांग्रेस पार्टी ने यही कार्य पहले किया जिसके कारण देश को अस्थिरता के दौर से गुजरना पड़ा। कांग्रेस ने एच0डी0 देवगौड़ा को बाहर से समर्थन देकर प्रधानमंत्री बनाया और 4 महीने बाद उनकी टांग खींच ली। फिर इंद्र कुमार गुजराल को समर्थन देकर प्रधानमंत्री बनाया और फिर उनकी टांग खींच ली। यही क्रम स्व0 चरण सिंह के साथ किया, चंद्रशेखर के साथ किया और परिणाम हुआ कि देश आर्थिक रूप से, सामाजिक रूप से, सीमाओं की सुरक्षा के रूप से और आंतरिक सुरक्षा के रूप में कमजोर हुआ और देश का काम काज चलाने के लिए देश का सोना गिरवी रखना पड़ा। ये सब कुछ कांग्रेस पार्टी और नेहरू-गांधी परिवार ने सोच समझकर किया और अब पुनः उसी योजना पर कांग्रेस काम कर रही है।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र का छुपा हुआ ऐजेन्डा बाहर निकल गया है और नेहरू-गांधी परिवार के गुरू सैम पित्रोदा ने पिक्चर की सारी स्क्रिप्ट दुनिया के सामने प्रस्तुत कर दी कि भारत में यदि कांग्रेस की सरकार सत्ता में आएगी तो अमरीका की तर्ज पर भारतवासियों की सम्पति, जमीन, जायदाद पर वैल्थ टैक्स लगेगा और मृत्यु के बाद बच्चों को सम्पति के स्थानांतरण पर भारी मात्रा में टैक्स देना पड़ेगा।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि अब बिल्ली थैले से बाहर आ गई है, अब जितनी भी सफाई दो भारत की जनता कांग्रेस के मनसूबों को जान चुकी है। वर्ग विशेष, धर्म विशेष के वोटों के लालच में आरक्षण का असंवैधानिक व षड़यत्रकारी प्लान कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र का हिडन ऐजेन्डा है जिसमें एस0सी0, एस0टी0 और ओ0बी0सी0 के आरक्षण में से आरक्षण देने का ऐजेन्डा अब जगजाहिर हो चुका है। कांग्रेस का सनातन विरोधी चेहरा सबके सामने आ चुका है। इंडी गठबंधन में कांग्रेस के साथी स्टालिन ने सनातन को डेंगू मच्छर, मलेरिया कहकर समाप्त करने की बात की और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के पुत्र ने इसका समर्थन किया। कांग्रेस पार्टी का राम विरोधी चेहरा वो भी सबके सामने है। न्यायालय में कांग्रेस की ओर से श्रीराम को काल्पनिक बताया गया, रामसेतु को काल्पनिक बताया गया, राम जन्म स्थान पर राम मंदिर निर्माण का विरोध किया गया। न्यायालय में श्रीराम मंदिर का विरोध करने वाले अभिषेक मनु सिंघवी को श्रीराम ने ही राज्यसभा चुनाव में पटकनी दे दी और लॉटरी में हर्ष महाजन राज्यसभा सांसद बन गए।

भाजपा का संकल्प पत्र विरासत भी और विकास भी, गरीब कल्याण, महिला सम्मान, युवा उत्थान और किसान कल्याण के लिए मोदी की गारंटी। भाजपा का संकल्प पत्र 80 करोड़ गरीबों की थाली में अच्छा भोजन, 11 करोड़ किसान परिवारों का उत्थान, 10 करोड़ बहनों और देश को दुनिया का सबसे बड़ा प्रोडक्शन हब बनाते हुए युवाओं को रोजगार, देश को आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाते हुए सड़कों का, रेलवे का, 6-जी नेटवर्क का, घर-घर पेयजल का, हर घर विद्युत उत्पादन केन्द्र बनाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य रखा है। टूरिज्म का विकास भाजपा के ऐजेन्डे की अग्रणी कड़ी है जो हिमाचल के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। टनल्स के द्वारा सड़कों का निर्माण हिमाचल की दुरियों को कम करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। पठानकोट से मनाली, किरतपुर से मनाली, मनाली से लद्दाख, कांगड़ा से शिमला, कालका से शिमला-ढली, शिमला से कौरिक, देहरादून से पांवटा-नाहन-कुमारहट्टी, पिंजौर से नालागढ़ और जालंधर से मण्डी आने वाले दिनो में मोदी जी के प्रयासों से सभी फोरलेन हाईवेज टनल्स के द्वारा जोड़े जाएंगे जिससे हिमाचल का सर्वांगीण विकास होगा।

कांग्रेस का ऐजेन्डा एक बार फिर देश को, समाज को जाति, धर्म, संप्रदाय के आधार पर बांटना। भाजपा का ऐजेन्डा विकसित भारत, गरीब कल्याण, युवा उत्थान, महिला सम्मान।

उपायुक्त सुमित खिमटा ने सिरमौर में अफीम की अवैध खेती पर चिंता जाहिर की

प्रचण्ड समय . नाहन

उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने सिरमौर जिला में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गैर कानूनी अफीम की खेती की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग को कृषि तथा अन्य सम्बन्धित विभाग के साथ आपसी तालमेल से कार्य करना चाहिए ताकि अपराधियों को पकड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि अवैध नशे का कारोबार समाज के अत्यंत घातक है और इसकी चपेट में हमारा युवा वर्ग लगातार आ रहा है। उपायुक्त सुमित खिमटा आज शुक्रवार को नाहन में एनकोर्ड की जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उपायुक्त ने कहा कि ओपियम की अवैध खेती जहां जिला प्रशासन और पुलिस के लिये चिंताजनक है वहीं यह स्वस्थ समाज के लिये भी एक गंभीर चेतावनी है। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया कि जिला में इस प्रकार की अवैध खेती की रोकथाम के लिए अधिक से अधिक कार्रवाई की जाये।

सुमित खिमटा ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों को भी इस प्रकार के नशे के अवैध कारोबार पर नजर रखनी चाहिए और

इसकी सूचना जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज एक्ट और एनडीपीएस एक्ट में पंचायतों की जिम्मेदारी को स्पष्ट किया गया है, इसलिए पंचायत प्रतिनिधि अपनी जिम्मेवारी निभायें और अफीम की अवैध खेती सहित अन्य अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री की सूचना पुलिस को प्रदान करें।

सुमित खिमटा ने स्कूली स्तर पर नशीले पदार्थों के सेवन के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए शिक्षा विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में लगातार जागरूक किया जाये। उपायुक्त ने जिला में चल रहे पांच नशा मुक्ति केन्द्रों के औचक निरीक्षण के निर्देश भी दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एसडीएम और अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को नशा मुक्ति केन्द्र के नियमित निरीक्षण के लिए कहा। उन्होंने बताया कि सिरमौर जिला में वर्तमान में पांच नशा मुक्ति केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं जिसमें एक बड़ू साहिब में, एक पांवटा में और तीन नाहन क्षेत्र में संचालि किये जा रहे हैं। सुमित खिमटा ने नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों, आंगनवाड़ी वर्कर और आशा वर्कर से सक्रियता से कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर इन महिला प्रतिनिधियों का समाज में निचले स्तर तक तालमेल बना रहता है और महिला प्रतिनिधि नशे को रोकने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। पुलिस अधीक्षक रमण कुमार मीण ने जिला में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाई जा पुलिस की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और उत्पादन के खिलाफ सघनता से गंभीर कार्रवाई की जा रही है और अपराधियों को पकड़ा गया है। उन्होंने जिला प्रशासन तथा अन्य सम्बन्धित विभागों से अफीम की अवैध खेती तथा अन्य अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन के विरूद्ध पुलिस विभाग को सहयोग करने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय पाठक, उपायुक्त आबकारी एवं कराधान, हिमाशुं पंवार, परियोजना निदेशक डीआरडीए, डीएसपी हैडक्वार्टर रमाकांत, उप निदेशक प्राम्भिक शिक्षा राजीव ठाकुर, उप निर्देश उच्च शिक्षा अजीत चौहान व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

बृज शर्मा जेजेपी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

जननायक जनता पार्टी ने बृज शर्मा को हरियाणा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। जजपा की ओर से इस नियुक्ति की घोषणा की गई है। बृज शर्मा जेजेपी के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे हैं। साल 2019 में उन्होंने करनाल जिले के असंध सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था। असंध हरियाणा की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट मानी जाती है।लोकसभा चुनाव के समय गैर जाट को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर जेजेपी नेतृत्व ने सर्व समाज की राजनीति करने का संदेश दिया है।

प्रचण्ड समय

जेजेपी की और से कहा गया है कि जननायक जनता पार्टी द्वारा बृज शर्मा पुत्र त्रिलोक चंद शर्मा निवासी मकान नंबर 641 सेक्टर 8, करनाल को जेजेपी का हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। बृज शर्मा की यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गई है।

इस महीने की शुरुआत में जेजेपी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह ने पार्टी छोड़ दी थी। पूर्व सांसद अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व वाली साढ़े पांच साल पुरानी जेजेपी से पिछले महीने भाजपा ने नाता तोड़ लिया था और घोषणा की कि वह 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में हरियाणा में अपने उम्मीदवार उतारेगी। जननायक जनता पार्टी ने अब तक पांच लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बता दें कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव 25 मई को होंगे।

दिसंबर 2018 में स्थापित जेजेपी ने 2019के हरियाणा विधानसभा के चुनावो मे दस सीट हासिल की थी। इन चुनावों में भाजपा 46 सीट के बहुमत के लक्ष्य के मुक़ाबले चालीस सीट पर सिमट गई थी।भाजपा ने सरकार बनाने के लिए जेजेपी और निर्दलीय विधायकों का समर्थन लिया था।जेजेपी साढ़े चार साल भाजपा के साथ सत्ता में रही लेकिन लोकसभा चुनाव के वक्त भाजपा ने जेजेपी का समर्थन छोड़ दिया।

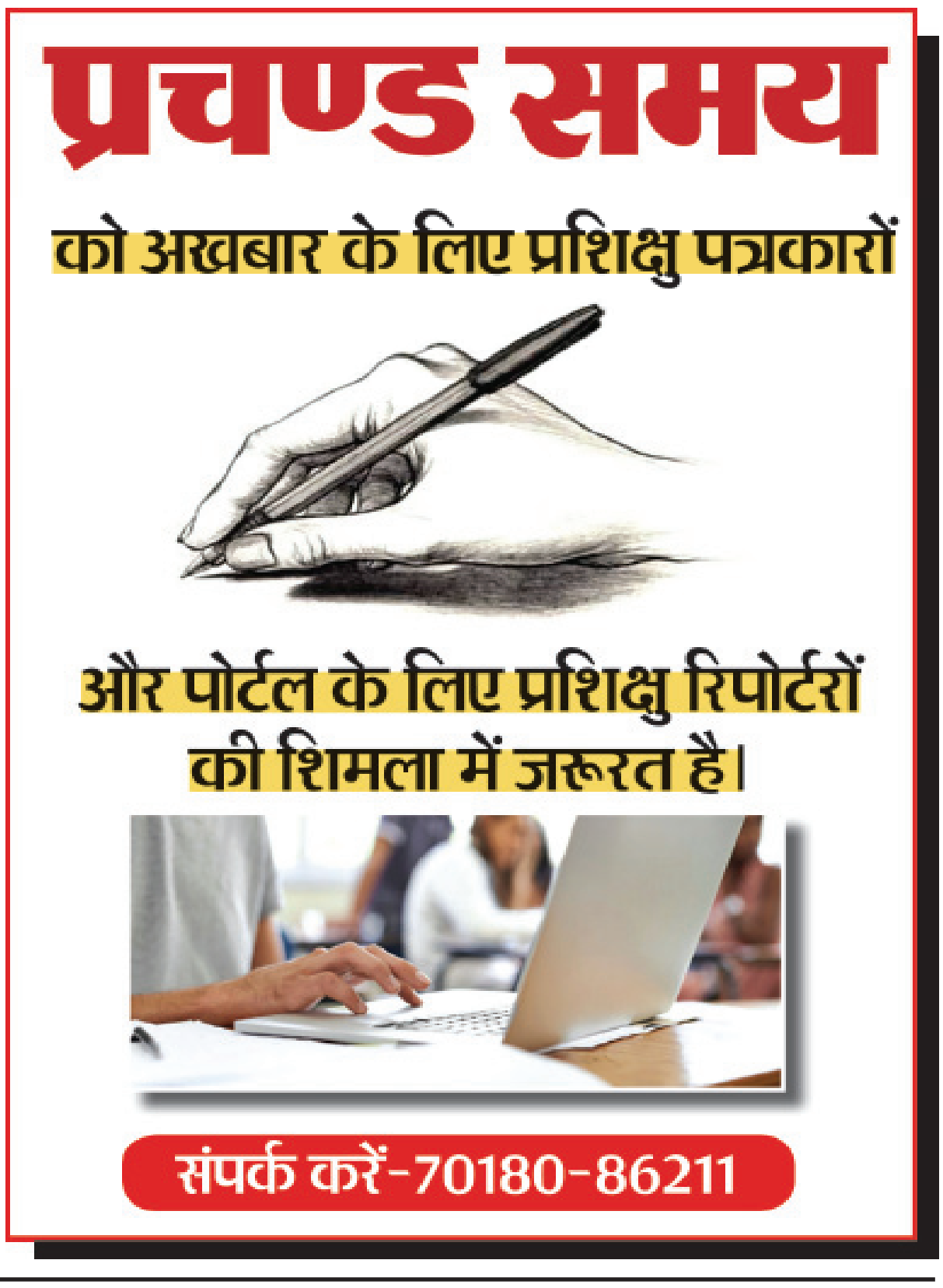

चुनाव 2024, डिजिटल दौर में बदल गये तरीके प्रचार के नई पीढ़ी का डिजिटल मीडिया पर है सारा फोकस

चुनाव प्रचार का डिजिटल नामा

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

पूरी दुनिया में आज डिजिटल मीडिया का प्रयोग जिस तरह प्रचार प्रसार के लिए इस बदलते हुए उपभोक्ता युग में हो रहा है वह हर पल उपभोक्ता और आम आदमी को चौंका रहा है ।

अब आपको पता ही नहीं चलता कि किस तरह के भ्रामक प्रचार प्रसार में विज्ञापन आपको आकर्षित कर सकते हैं ।

यह चुनाव भी इसे अछूता नहीं है । पिछले एक दशक से जिस तरह से अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों में अर्थात पश्चिमी देशों में चुनाव का प्रचार प्रसार का सारे का सारा दारोमदार अब टेलीविजन बहस पर फोकस कर गया है परंतु पिछले 5 वर्ष के चुनाव का मूल्यांकन यदि देखा जाए तो आप देख सकते हैं कि सारे का सारा दारोमदार इन दिनों तेज संप्रेषित त्वरित गति से कवरेज करने वाले मीडिया अर्थात डिजिटल मोड पर हर चीज आ गई है ।

भारत में हो रहे चुनाव 2024 में इस लहर को और भी सशक्त ढंग से दर्शकों के सामने अर्थात वोटरों को लाभ होने के लिए आगे तैयारी की है ।

इन दिनों यह सच है कि इस बार भारत के इस चुनाव में जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अर्थात डेमोक्रेटिक देश का चुनाव हो रहा है उसमें सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने मीडिया वॉल्यूम डिजिटल पर फोकस किया है।

इसीलिए इस तरह होने वाले चुनाव मीटिंगज से तथा बड़ी रैलियां का प्रतिशत 60% कम हो गया है । मौसम की स्थिति और लोगों का रुझान अब रैलियाओ में जाने का नहीं है ।

सिर्फ उन इलाकों में कुछ एक जगह पर चुनाव रैलियां हो रही है यहां पर अभी यह संसाधन उतने पुख्ता नहीं है । सोशल मीडिया की प्रचार सामग्री की पहुंच वहां तक नहीं है वैसे तो जिस तरह लगभग 90 करोड लोगों तक टेलीविजन से लेकर यूट्यूब अर्थात डिजिटल पहुंच आपके मोबाइल फोन से सबके सामने है उसे प्रचार प्रसार इस बार सारे का सारा फोकस डिजिटल मोड में रहा है।

इन दिनों इस डिजिटल दौर में प्रचार सामग्री जो परंपरागत प्रचार सामग्री होती थी उसे जिसमें धार्मिक झंडे और कट आउट पूरे देश में बेचकर काम चलाया जाता था ।

प्रचण्ड समय

इस बार सर्वेक्षण में पता चला है की सारी की सारी प्रचार सामग्री छोटे झंडा तथा झंडियन सिर्फ सारी बोरियों में बंद होकर रह गई है । इन दिनों अगली पीढ़ी के लिए अब यह प्रचार प्रसार सिर्फ ओटीटी अर्थात सोशल मीडिया पर रह गया है । लोकसभा के इस चुनाव में प्रचार प्रसार का यह फीकापन व्यापार के लिए भी अजीब तरह का रोल अदा कर रहा है एक सर्वेक्षण में समाचार पत्रों की रिपोर्ट बता रही है कि अब वह विभिन्न पार्टियों के धार्मिक झंडे से लेकर भगवान के कट ऑफ बेचने शुरू कर दिए हैं । यही नहीं है यहां पर पांच फ़ीसदी माल ही ट्रेडिशनल झंडे इतिआदी लिखे हैं और यह चुनाव चुनाव का बदला हुआ रूप है लेकिन चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के लिए सोशल मीडिया पर धूम मचाई हुई है ।

सोशल मीडिया के देश में पहुंच के कारण सारे का सारा दारोमदार अब सिर्फ उस सोशल मीडिया पर हो गया है इससे प्रचार चलता है और सभी राजनीतिक पार्टियों ने तथा वोटरों तक पहुंच करने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी अपने विश्लेषण में सोशल मीडिया पर ही पूरी टेक है ।

विज्ञापन शो पहले प्रिंट मीडिया में आता था । इस का प्रतिशत शायद इतना पहले होता था । अब राजनीतिक पार्टियों कि मैं भाजपा तथा कांग्रेस से लेकर दक्षिण की कुछ पार्टीज है ।

प्रमुख रूप से पिरंट मीडिया को भी इसका ध्यान रखे तो सबसे बड़ी बात है कि सोच बदल गयी है और अब एडिशनल पुरानी प्रचार सामग्री को बिल्कुल ही गायब कर दिया है तथा इस तरह के व्यापारी तथा इस काम में लगी हुई कंपनियां दूसरा काम कर रही है। इसके बारे में भारत सरकार ने जो एडवाइजरी तथा जो संचार प्रसार की नीति जारी की है , उसका एक हिस्सा आपको इसलिए जहां पर दिया जा रहा था कि आप देख सकते हैं कि भारत में लगभग 100 करोड़ वोटरों को लुभाने के लिए तथा वोटरों तक राजनीतिक पार्टी का संदेश जाने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी कई उपाय किए हैं और भारत सरकार की नीति को इन शब्दों में भारत सरकार द्वारा प्रचारित प्रसारित किया गया है आप भी देखें भारत सरकार के इस रिपोर्ट को।

निर्वाचन आयोग चुनाव के दौरान राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रचार के लिए डिजिटल टाइम वाउचर जारी करेगा दूरदर्शन तथा आकाशवाणी पर प्रचार प्रसार के लिए समय निर्धारित करना।

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को आकाशवाणी और दूरदर्शन पर समय का आवंटन अब ऑनलाइन होगा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी स्वामित्व वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उपयोग की मौजूदा योजना में संशोधन किया है।

यह सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल टाइम वाउचर जारी करने का प्रावधान शुरू करके किया गया है। इस सुविधा के साथ, राजनीतिक दलों को चुनाव के दौरान टाइम वाउचर लेने के लिए अपने प्रतिनिधियों को ईसीआई/सीईओ कार्यालयों में भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम चुनावी प्रक्रिया की बेहतरी और सभी हितधारकों की सहजता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति का लाभ उठाते हुए निर्वाचन आयोग राजनीतिक दलों के साथ इंटरफेस के लिए आईटी आधारित विकल्प प्रदान कर रहा है। हाल ही में, आयोग ने चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय खातों को ऑनलाइन दाखिल करने के लिए एक वेब पोर्टल की सुविधा भी दी जा रही है।

पृष्ठभूमिः

यह योजना, जिसे शुरुआत में 16 जनवरी 1998 को अधिसूचित किया गया था, आर.पी. अधिनियम, 1951 की धारा 39ए के तहत वैधानिक आधार रखती है। इसे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किया गया था और इसका उद्देश्य चुनाव प्रचार के लिए सरकार के स्वामित्व वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

इस योजना के तहत, प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी और संबंधित राज्य की मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर समान रूप से एक समान आधार समय आवंटित किया जाता है और पार्टियों को आवंटित किया जाने वाला अतिरिक्त समय उनके संबंधित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पिछले विधानसभा चुनावों में या लोकसभा के पिछले आम चुनावों (जो भी लागू होता हो) में चुनाव प्रदर्शन के आधार पर तय किया जाता है। वास्तविक तिथि और समय जिसके दौरान किसी भी पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा उपरोक्त प्रसारण किया जाएगा, वह ईसीआई के परामर्श से और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रसार भारती निगम द्वारा पूर्व निर्धारित किया जाता है।

पात्र राजनीतिक दलों को समय वाउचर जारी होने और वितरण के लिए एक आईटी-आधारित मंच की शुरूआत एक अधिक कुशल और सुव्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करती है, जिससे राजनीतिक दलों के लिए पहुंच और उपयोग में आसानी बढ़ती है।

इस सूचना का संदर्भ स्रोत नीचे लिंक में है आदेश का लिंकः https://eci.gov.in/files/file/15138 इस तरह आप देख सकते हैं कि इस समय का यह चुनाव बिल्कुल परंपरागत प्रचार प्रचार सामग्री से हटकर अब पूरे का पूरा सोशल मीडिया तथा नई तकनीक पर पहुंच गया है जो अपने आप में नई पीढ़ी को तथा नए वोटरों को प्रभावित करता है और यही समय की आवश्यकता है।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं।

जब एक पाकिस्तानी पायलट ने इसराइल के लड़ाकू विमान को मार गिराया था

'मेरे मन में न जाने कितने विचार आए कि शायद मिसाइल फंस गई है या कुछ और हो गया है। वो एक सेकेंड मेरे जीवन का सबसे लंबा पल था। फिर अचानक मिसाइल चली और दो-तीन सेकेंड लगे होंगे जब मिसाइल इसराइली मिराज को लगी और मैंने उसे फटते हुए देखा।'

ये घटना आज से ठीक 50 साल पहले 26 अप्रैल 1974 की है जब पाकिस्तानी वायु सेना के पायलट फ़्लाइट लेफ़्टिनेंट सत्तार अल्वी ने सीरियाई वायुसेना का युद्धक विमान 'मिग' उड़ाते हुए एक इसराइली 'मिराज' विमान को मार गिराया था। यह अपनी तरह की अनोखी घटना थी क्योंकि पाकिस्तानी वायुसेना के पायलट एक दूसरे देश की वायुसेना की ओर से इसराइल के ख़िलाफ़ लड़ रहे थे जिसे पाकिस्तान राजनयिक तौर पर स्वीकार नहीं करता है। लेकिन पाकिस्तान पायलट सीरिया पहुंचे कैसे? इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमें पांच दशक पहले जाना होगा।

'क्या तुम सचमुच लड़ोगे?'

साल 1973 के अक्टूबर में अरब-इसराइल युद्ध छिड़ा तो उस समय युवा पायलट सत्तार अल्वी रसालपुर में ट्रेनिंग कोर्स में शामिल थे। ट्रेनिंग लेने वाले पायलट शाम के वक़्त अरब-इसराइल युद्ध के विषय पर अक्सर बातचीत करते थे। ऐसी ही बातचीत में एक दिन यह सवाल उठा कि वह ख़ुद क्या कर सकते हैं।

सत्तार अल्वी ने एक इंटरव्यू में बताया, "मैंने कहा कि हम फ़ाइटर पायलट हैं, हम स्वैच्छिक तौर पर जाने की पेशकश कर सकते हैं। किसी ने पूछा कि क्या तुम सचमुच जाकर लड़ोगे? मैंने कहा, हां। मेरे रूममेट ने कहा, मैं भी तुम्हारे साथ हूं। अभी उठो।" सत्तार अल्वी के अनुसार, "आधी रात का समय था जब हम एकेडमी के कमांडेंट के घर जा पहुंचे। वह बाहर निकले तो उनको हमने सारी बात बताई। उन्होंने पूछा कि क्या 'बार' से आ रहे हो? हमने कहा, नहीं। तो उन्होंने कहा कि सुबह ऑफ़िस में मिलो।"

प्रचण्ड समय

अगले दिन कमांडेंट के दफ़्तर में स्वैच्छिक तौर पर सीरिया जाने वाले पाकिस्तानी पायलटों से एक बार फिर सवाल हुआ कि क्या वह अपने प्रस्ताव पर गंभीर हैं।

सत्तार अल्वी बताते हैं, "हमने कहा, बिल्कुल। उन्होंने हमें 10 मिनट इंतज़ार करने को कहा और फिर कहा कि पेशावर पहुंचो, वहां से विमान तुम लोगों को ले जाएगा।"

"बाद में हमें पता चला कि वायुसेना के चीफ़ ने भुट्टो साहब से बात की जिन्होंने सीरिया के राष्ट्रपति हाफ़िज़ अल असद से संपर्क किया और उन्होंने हां कर दी।"

सत्तार अल्वी कहते हैं, "मैंने अपना सलवार-क़मीज़ और फ़्लाइंग गियर लिया और पेशावर पहुंचकर हमें मालूम हुआ कि चौदह और लोग भी स्वैच्छिक तौर पर जाने वालों में शामिल हैं। हमें चीफ़ के फ़ोकर जहाज़ में बिठा दिया गया। थोड़ी देर बाद चीफ़ भी आ गए। हमें कुछ पता नहीं था कि हम कहां जा रहे हैं।"

'सरकार और वायुसेना ज़िम्मेदारी नहीं लेगी'

इस दौरान एक और महत्वपूर्ण बात यह हुई कि पाकिस्तानी पायलटों को एक काग़ज़ दिया गया और उनसे कहा गया कि वह इस पर दस्तख़त कर दें। सत्तार अल्वी के अनुसार, "इस काग़ज़ पर लिखा था कि हम पाकिस्तान से बाहर छुट्टी पर जा रहे हैं और अगर इस दौरान कोई अनहोनी बात हुई तो सरकार या पाकिस्तानी वायुसेना हमारी ज़िम्मेदारी नहीं लेगी। इसका मतलब था कि अगर कोई ऐसी वैसी बात होती तो सरकार और वायुसेना हमें पहचानने से इनकार कर कह देती कि हम इस बंदे को नहीं जानते हैं।"

पाकिस्तानी पायलटों को पहले कराची और फिर एक 'सी 130' जहाज़ पर बग़दाद ले जाया गया। बग़दाद से सत्तार अल्वी और दूसरे पायलट पहले जॉर्डन और फिर सड़क के रास्ते दमिश्क़ पहुंचे।

पाकिस्तानी पायलटों की कुल संख्या सोलह थी। इनमें से आठ को मिस्र भेजा गया और आठ को सीरिया में रहने का निर्देश दिया गया। सत्तार अल्वी सीरिया में रह जाने वाले आठ पायलटों में शामिल थे।

सत्तार अल्वी और दूसरे पायलटों को बाद में दमिश्क़ से 30 मिनट की दूरी पर दमीर एयर बेस पर ले जाया गया जहां उनको '67 ए' का नाम दिया गया।

पाकिस्तानी पायलटों को रक्षा की ज़िम्मेदारी

पाकिस्तानी पायलटों के लिए एक समस्या भाषा की थी। सत्तार अल्वी बताते हैं कि सीरियाई एयर फ़ोर्स के मिग 21 जहाज़ों में रूसी भाषा लिखी थी जबकि रडार और एटीसी अरबी में बात करते थे।

"हमने इस समस्या का हल यह निकाला कि जो ज़रूरी बातें जहाज़ उड़ाने के लिए हमें दरकार थीं, वह हमने लिख लीं और उनको एक काग़ज़ पर अपने फ़्लाइंग सूट में रख लिया जो हम हर समय पहने रहते थे। इसका फ़ायदा यह हुआ कि ज़रूरत भर अरबी भाषा हम एक हफ़्ते में सीख गए।"

पाकिस्तानी पायलटों की सीरियाई यूनिट को एयर डिफ़ेंस यानी रक्षा की भूमिका सौंपी गई। इसके तहत यह ज़िम्मेदारी तय की गई कि अगर कोई भी इसराइली जहाज़ सीरिया की वायु सीमा में घुसता हो तो उसको रोकना पाकिस्तानी पायलटों का काम होगा।

इस दौरान मिस्र ने इसराइल के साथ युद्ध विराम करने पर सहमति जता दी थी लेकिन सीरिया और इसराइल के बीच गोलान की पहाड़ियों पर युद्ध जारी रहा।

सत्तार अल्वी के अनुसार, "हम हर दिन सुबह सहरी से पहले तैयार होते और एयर बेस पर पहुंच कर इंतज़ार करते। यह रूटीन सात महीने तक जारी रही।"

इस दौरान पाकिस्तानी पायलटों को कई बार आकाश में भेजा गया और कई बार उनका इसराइली जहाज़ों से आमना-सामना तो हुआ लेकिन मुक़ाबला नहीं हुआ।

'शहबाज़ 8' बनाम इसराइली वायुसेना

सत्तार अल्वी के अनुसार, "पाकिस्तानी पायलटों ने सोच रखा था कि चाहे हम किसी इसराइली जहाज़ को गिराएं या ना गिराएं, किसी पाकिस्तानी पायलट को इसराइलियों के हाथ नहीं गिरना चाहिए। हमारी रणनीति इसी दृष्टि से बनी।"

26 अप्रैल, 1974 भी किसी आम दिन की तरह ही शुरू हुआ लेकिन दोपहर बाद लगभग साढ़े तीन बजे पाकिस्तानी पायलटों को एक आम रक्षा मिशन सौंपा गया।

सत्तार अल्वी के अनुसार, "जब हम मिशन पूरा करने के बाद बेस की तरफ़ लौट रहे थे तो अचानक रडार ने इसराइली जहाज़ की मौजूदगी के बारे में जानकारी दी।"

उस वक़्त सत्तार अल्वी समेत पाकिस्तान पायलटों के जहाज़ में काफ़ी ईंधन इस्तेमाल हो चुका था जबकि अचानक ही रडार जाम होने से उनके बीच संपर्क भी टूट गया था। आठ पाकिस्तानी पायलट 'शहबाज़ 8' फ़ॉर्मेशन में उड़ रहे थे जिसमें सत्तार अल्वी सबसे आख़िर में थे। उनके अनुसार, संपर्क भंग होने से पहले फ़ॉर्मेशन कमांडर की ओर से सबको उस दिशा में मुड़ने का निर्देश दिया गया था जिस दिशा से इसराइली विमानों के आने की सूचना थी। **– साभार, बीबीसी**

आईपीएलः आरसीबी कप्तान क्यों बोले- आज रात आराम से नींद आएगी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को आईपीएल 2024 में एक महीने के इंतज़ार के बाद आख़िरकार दूसरी जीत हासिल हुई।

फ़ैफ़ डू प्लेसी की टीम ने पहला मैच 25 मार्च को जीता था। गुरुवार रात यानी 25 अप्रैल को टीम ने सनराइज़र्स हैदराबाद को उन्हीं के मैदान पर 35 रन से हराकर दूसरी जीत दर्ज की।

मैच जीतने के बाद डू प्लेसी ने कहा, ''पिछले दो मैचों में हमने अच्छे से चुनौती दी थी। हम जीत के क़रीब थे, मगर आत्मविश्वास हासिल करने के लिए आपको मैच जीतने की ज़रूरत होती है। आज रात आराम से नींद आएगी। आप टीम में आत्मविश्वास की बात नहीं कर सकते, टीम में आत्मविश्वास का फ़र्ज़ी दिखावा नहीं कर सकते। केवल एक चीज जो आत्मविश्वास देती है, वह प्रदर्शन है।''

जीत में विराट कोहली और रजत पाटीदार ने अहम भूमिका निभाई।

पिछले चार मैच लगातार जीतने के बाद यह हैदराबाद की पहली हार है। वहीं आरसीबी की लगातार छह हार के बाद पहली जीत है।

आरसीबी ने राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फ़ैसला किया। विराट कोहली और फ़ैफ़ डू प्लेसी ने अच्छी शुरुआत की।

दोनों ने पहले विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी की।

कोहली और पाटीदार के अर्धशतक

प्रचण्ड समय

सनराइज़र्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने अपने पहले ही ओवर में 19 रन लुटा दिए।

चौथे ओवर में टी नटराजन ने हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। एडन मार्करम ने मिड ऑफ़ पर डू प्लेसी का आसान कैच लपक लिया। उन्होंने 25 रन बनाए।

उनके बाद आए विल जैक्स ने केवल 6 रन का योगदान दिया।

इसके बाद रजत पाटीदार और विराट कोहली के बीच सिर्फ़ 34 गेंदों पर 65 रन की शानदार साझेदारी हुई।

पाटीदार ने 11वें ओवर में चार छक्कों की मदद से 27 रन बनाए। पाटीदार ने 19 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किए लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गए।

कोहली ने 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। विराट कोहली 51 रन पर आउट हो गए।

उन्होंने जयदेव उनादकट की एक धीमी गेंद को सीधे बैकवर्ड स्क्वेयर लेग बाउंड्री पर खड़े अब्दुल समद के पास पहुंचा दिया। कोहली 15वें ओवर में आउट हुए जबकि लगा कि वे आख़िर तक टिके रह सकते थे।

विराट कोहली ने खेली धीमी पारी

विराट कोहली ने इस मैच में 43 गेंदों पर 51 रन बनाए। रजत पाटीदार के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी में वह सिर्फ़ सिंगल-डबल ही लेते रहे।

दरअसल कोहली का ध्यान अपने साथी खिलाड़ी को स्ट्राइक देने पर लगा रहा।

हालाँकि इस बीच कोहली इस आईपीएल में 400 का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज़ बन गए हैं।

कैमरन ग्रीन, दिनेश कार्तिक और इम्पैक्ट खिलाड़ी स्वप्निल सिंह ने अंत में कुछ शॉट खेलकर अपनी टीम को सात विकेट पर 206 रन तक पहुंचाया। कैमरून ग्रीन ने 20 गेंदों में 37 रनों की पारी की पारी खेली।

हैदराबाद के लिए, जयदेव उनादकट (3/30) ने तीन विकेट लिए, जबकि टी नटराजन (2/39) और मयंक मार्कंडे (1/42) भी विकेटों में शामिल थे।

हैदराबाद की शुरुआत बेहद ख़राब

207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुई पारी की शुरुआत में ही सनराइजर्स हैदराबाद लड़खड़ा गई और उसने 4 विकेट पावर प्ले में ही गँवा दिए।

विल जैक्स ने पहले ही ओवर में ट्रैविस हेड को आउट कर दिया। ख़तरनाक फ़ॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों पर 31 रन की पारी खेली।

एडन मार्करम और हेनरिक क्लासेन भी पांच ओवर के अंदर पैवेलियन लौट गए। दोनों ने सात-सात रनों का योगदान दिया।

इम्पैक्ट सब स्वप्निल सिंह ने दोनों के विकेट अपने नाम किए।

नितीश रेड्डी ने थोडा संघर्ष किया लेकिन वह भी 13 रन पर कर्ण शर्मा की गेंद पर बोल्ड हो गए और अब्दुल समद भी 10 रन पर कर्ण शर्मा को कॉट एंड बोल्ड आउट हो गए।

पैट कमिंस ने 15 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली। कैमरन ग्रीन ने उनका विकेट लिया। अभिषेक शर्मा 31 रन बनाकर आउट हुए। शाहबाज अहमद ने सबसे ज़्यादा 40 (नाबाद) रन बनाए।

हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई।

इस सीजन में सबसे ज़्यादा तीन बार 250 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 206 रन को पार नहीं कर पाई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने 250वें आईपीएल मैच को यादगार बना दिया।

स्वप्निल सिंह, कर्ण शर्मा और कैमरन ग्रीन को दो-दो सफलताएं मिलीं। वहीं, विल जैक्स और यश दयाल को एक-एक विकेट मिला

आरसीबी की 9 मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि हैदराबाद की 8 मैचों में यह तीसरी हार है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टूर्नामेंट की दूसरी जीत भी उन्हें अंक तालिका में ऊपर नहीं उठा सकी, लेकिन इस जीत से उनमें एक आत्मविश्वास ज़रूर आया होगा कि वे लगातार कुछ और मैच जीतकर अपने इस सीज़न को फिर से ज़िंदा कर सकते हैं।**– साभार, बीबीसी**

लघुकथा/कमलेश भारतीय

नाश्ते से लेकर राजनीति तक...

कमलेश भारतीय

वैसे तो राजनीति में डिनर डिप्लोमेसी ही कही जाती है, बेशक नाश्ता ही किया जाये। यह भोजन की डिप्लोमेसी शुरू से चलती आई है, कोई नयी बात नहीं! राजनीति में समय समय पर इसकी जरूरत आन पड़ती है और हरियाणा के नये मुख्यमंत्री को भी पड़ गयी । चुनाव प्रचार बीच में छोड़ कर दिल्ली में कुलदीप बिश्नोई के घर मान मनोबल के लिए जाना पड़ा । नाश्ते के बीच नाराजगी सामने आई कि चौ भजनलाल से जोड़ कर वह 'पटवारी वाला किस्सा' पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने क्यों जनसभा में सुनाया? वह किस्सा बिश्नोई परिवार से हज़म नहीं हो रहा । दिल का दर्द होंठों पर आया और यह भी कहा रेणुका बिश्नोई ने कि भव्य को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी और इनकी आईएएस बहू परी को हरियाणा कैडर अभी तक नहीं दिया गया ! जो बात दबाते आया था बिश्नोई परिवार वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने होंठो पर आ गयी ! मुख्यमंत्री ने भी बहुत डिप्लोमेटिक जवाब दिया कि भव्य भविष्य के नेता हैं ! अब भविष्य और भव्य कब एक होते हैं, इसका इंतज़ार कीजिये! थोड़ा इंतज़ार का मज़ा लीजिए ! हां, अभी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को नारनौंद के लिए पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का नाश्ता भी खाना होगा और उन्हें भी मनाना बाकी हैं पर वे हरियाणा में हैं ही नहीं असम में भाजपा की दी गयी जिम्मेदारी निभाने गये हैं ! एक बार पंजाब के नवजोत सिंह सिद्धू भी अरविन्द केजरीवाल के साथ नाश्ता करने दिल्ली गये थे लेकिन बात नहीं बनी थी। इस बार तो सिद्धू का राजनीति में नाम ओ निशान ही नहीं ! वैसे दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता भी राजनीति में आ गयी हैं और वे आप के प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो निकालेंगीं !

प्रचण्ड समय

इधर हरियाणा में राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रत्याशियों की घोषणा देर रात कर ही दी ! इसमें चौ बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी के मन का डर सच साबित हुआ, टिकट कट गयी ! कहते हैं कि दो दो लोकसभा चुनाव हारना उनके गले की फांस बन गया ! इसी तरह हिसार के पूर्व सांसद व पूर्व आईएएस अधिकारी बृजेंद्र सिंह भी टिकट से वंचित रह गये, हालांकि उन्होंने भाजपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामा था ! यहां से फिर जयप्रकाश ही मैदान में उतारे गये हैं, जो कभी ग्रीन ब्रिगेड के लिए मशहूर रहे । राव दान सिंह, दिव्यांशु बुद्धिराजा, सतपाल ब्रह्मचारी, वरूण मुलाना, महेंद्र प्रताप पहली पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। अभी एक लोकसभा क्षेत्र का पेंच बाकी है-गुरुग्राम से राज बब्बर या कैप्टन अजय यादव?

देखते रहिये और डिनर डिप्लोमेसी का आनंद लीजिए! दुष्यंत कुमार कहते है :

आपके कालीन देखेंगे किसी दिन
इस समय तो पांव कीचड़ में फंसे हैं!

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी। 9416047075

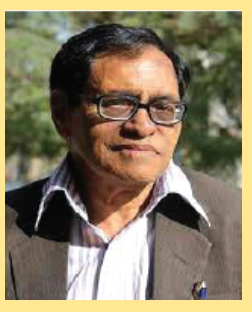

कमलेश भारतीय

सरेआम

-भई यह घर आपने बहुत ही सही लोकेशन पर लिया है । इसकी बायीं ओर मार्केट, दायीं ओर मार्केट और बिल्कुल सीधे जाओ तो लोकल बस व ऑटो मिलने के लिए चौक ! बहुत खुशकिस्मत हो आप !

जब हमने मकान खरीदा तब आसपास के लोगों का यही कहना था । वैसे हम इसी मकान में पिछले पांच साल से किराये पर रह रहे थे । तब छत पराई लगती थी, अब अपनी लगने लगी !

शुरू शुरू में हमने भी यह बात महसूस की थी और अब तो लोगों ने इस पर मोहर लगा दी थी ।

हम यानी आमतौर पर मैं और बेटी ही बायीं ओर की मार्केट शाम को सब्ज़ी, दूध और दूसरे जरूरी सामान लेने जाते हैं । पत्नी को बाज़ार जाने का कम ही शौक है । वह कहती है कि आप गांव में रहते थे तो आप ही जाइये सब्ज़ियां लेने ! अब पांच साल तो किसी अनजान जगह और शहर में अपनी और दूसरों की पहचान में लग ही जाते हैं और हमारी भी मार्केट वालों से जान पहचान हो गयी । इतना भरोसा तो जीत ही लिया कि यदि भूलवश कमीज़ बदलते समय पैसे डालने रह गये और

प्रचण्ड समय

दुकान पर सामान खरीदने के बाद पता चला तो दुकानदार कहने लगे कि कोई बात नहीं भाई साहब, आप सामान ले जाओ ! आप पर भरोसा है । हमारे पैसे कहीं नहीं जाते ! आ जायेंगे ! यह तो बरसों का भरोसा है और बनते बनते बनता है ! यही नहीं आस पड़ोस भी अब दिन त्योहार पर घर की घंटी बजा कर उसमें शामिल होने का न्यौता देने लगा !

अब मार्केट में सब्ज़ी की रेहड़ियां शाम के समय खूब लगती हैं, जैसे पूरी सब्ज़ी मंडी ही चलकर इस मार्केट में रेहड़ियों पर लद कर आ गयी हो ! शाम के समय खूब चहल पहल और कितने ही कुछ जाने और कुछ अनजाने चेहरे देखने को मिलते हैं ! पर एक बात मेरी समझ में न आ रही थी कि आखिर शाम के धुंधलके में या अंधेरा छा जाने पर ये रेहड़ी वाले बिजली कहां से लेते हैं ? इनकी रेहड़ियां इतनी जगमगाती कैसे हैं ?

इसका भी रहस्य खुला सिमसिम की तरह ! एक दिन हम थोड़ा जल्दी ही मार्केट चले गये । क्या देखता हूँ कि एक आदमी हर रेहड़ी वाले से बीस बीस रुपये वसूल कर रहा है, बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में ! जैसे ही बीस रुपये हाथ में आते, रेहड़ी पर रोशनी जगमगाने लग जाती ! यह कैसा जादू है ? रेहड़ी वाले गरीब आदमी, मुंह खोलते भी डरते ! क्या करिश्मा है और बिना कनैक्शन बिजली आती कहां से है ? वैसे तो एक आम आदमी को इससे क्या लेना देना ? अरे आखें बंद कर, कानों में रुई डाल और चुपचाप सामान खरीद और सुरक्षित घर को लौट! वो लिखा रहता है न कि घर कोई आपका इतज़ार कर रहा है तो ऐसे में न बायें देख, न दायें, सीधा घर को देख और घर चल ! पर मुझसे रहा नहीं जा रहा था। फिल्मी हीरो तो था नहीं कि उससे भिड़ जाता! बस, अंदर ही अंदर कसमसाता रहता कि आखिर यह हफ्ता वसूली क्यों ? वे गरीब, परदेसी रेहड़ी वाले खामोश रुपये देते रहते ! देखते समझते तो और भी होंगे लेकिन वे मस्त लोग थे, सौदा सुल्फ लिया और ये गये और वो गये ! कौन क्या कर रहा है, इससे क्या मतलब ?

पता चला कि यह सरेआम बिजली चोरी प्रशासन के ध्यान में आ ही गयी और आखिरकार यह हफ्ता वसूली कुछ दिन रुकी और फिर आठवां आश्चर्य हुआ जब सुनने में आया कि उसी अधिकारी की ट्रांसफर हो गयि, जिसने यह बिजली चोरी रोकी थी ! हैं घोर कलयुग ? रेहड़ी वाले राहत की सांस भी न ले पाये कि हफ्ता वसूली फिर शुरू ! सुनने में आया कि जो बिजली कनैक्शन देने आता था, वह तो मोहरा भर था, असली बॉस तो उस एरिया का बड़ा नेता था ! अब यह बात कितनी सच, कितनी झूठ, हम बीच बाज़ार कुछ नहीं कह सकते भाई ! हमें माफ करो !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।
1034 बी, अर्बन एस्टेट 2, हिसार-125005 (हरियाणा)
9416047075

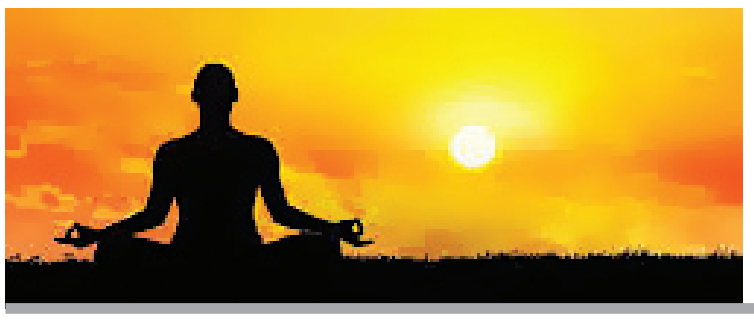

सनातन

prachandsamay.com

प्रचण्ड समय

5

शिमला, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

इस दिन रखा जाएगा रवि प्रदोष व्रत, पूजा करने से बरसेगी भोले नाथ की कृपा

प्रचण्ड समय

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत मनुष्य के लिए बहुत कल्याणकारी माना जाता है, यह व्रत महीने में 2 बार, शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत सम्पूर्ण शिव परिवार की कृपा प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इसलिए इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती या सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा अर्चना की जाती है और व्रत रखा जाता है।

प्रदोष व्रत का काफी महत्व माना जाता है। मान्यता है कि पूर्ण श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ यह व्रत करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और संतान प्राप्ति का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है, इसलिए संतान प्राप्ति की इच्छा के लिए भी यह व्रत रखा जाता है।

मई 2024 में इस दिन रखा जाएगा प्रदोष व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार, 5 मई, 2024 दिन रविवार शाम 5 बजकर 41 मिनट से वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि आरंभ होगी जोकि 6 मई, 2024 दिन सोमवार को दोपहर 2 बजकर 40 मिनट तक रहेगी। पंचांग के अनुसार इस बार का प्रदोष व्रत 5 मई 2024, दिन रविवार को रखा जाएगा। व्रत पूजन के साथ ही इस दिन ही भोलेनाथ का अभिषेक भी किया जाएगा। इस बार का प्रदोष व्रत रविवार के दिन पड़ रहा है और रविवार के दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत को रवि प्रदोष व्रत कहा जाता है। इसलिए मई महीने का पहला प्रदोष व्रत रवि प्रदोष व्रत कहलाएगा।

रवि प्रदोष व्रत का महत्व जानें

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत इंसान के कल्याण के लिए और बहुत ही शुभ और मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि पूर्ण श्रद्धा और विधि विधान के अनुसार को कोई भी इस व्रत को करता है और इस व्रत की कथा को पढ़ता या सुनता है तो उसपर भगवान शिव की कृपा बरसती है जिसके परिणामस्वरूप उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उसके जीवन में सुख व समृद्धि भी आती है। कई जगह इस दिन भगवान शंकर के नटराज रूप की भी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव ने तांडव नृत्य करके राक्षस अप्सरा पर विजय प्राप्त की थी। भगवान शिव के नृत्य रूप को ही नटराज के रूप में जाना जाता है।

नामागिरी देवी का वो किस्सा जिसने रामानुजन को बना दिया महान गणितज्ञ

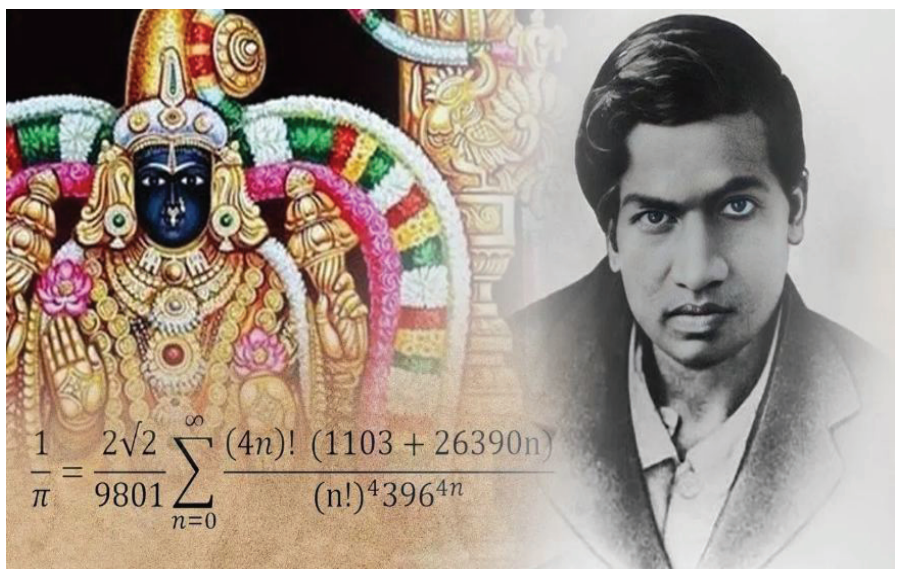

इंग्लैंड में ट्रिनिटी कॉलेज की लाइब्रेरी में एक पुरानी नोटबुक रखी है। यह आज भी पूरी दुनिया के गणितज्ञों की समझ में नहीं आई है। इसमें लिखे फॉर्मूले और ढेरों थ्योरम वे आज भी हल नहीं कर पाए हैं। यह नोटबुक है श्रीनिवास रामानुजन की, जिन्होंने केवल 32 साल के जीवन में दुनिया को ऐसे-ऐसे फॉर्मूले दिए हैं, जिनके जरिए लगातार वैज्ञानिक खोजें की जा रही हैं। गणित से उनको इतना लगाव था कि खाना-पीना भूल जाते थे। यहां तक कि दूसरे विषयों में फेल हो जाते थे।

वह कहते थे कि जब गणित का कोई सवाल वह हल नहीं कर पाते थे तो सपने में देवी नामा गिरी आकर उसे हल कराती हैं। सोते समय वह उनके साथ बैठती हैं। उनका कहना था कि सपने में उन्हें देवी का हाथ दिखता था, जिसमें वो कुछ लिखती थीं और वो सब गणित से जुड़ा होता था। नामगिरी देवी महालक्ष्मी के ही नाम हैं। श्रीनिवास रामानुजन की मां भी नामगिरी देवी की भक्त थीं।रामानुजन की पुण्यतिथि पर आइए जान लेते हैं इसी से जुड़ा किस्सा।

कई बार नहीं नसीब होता था एक वक्त का खाना

तमिलनाडु के इरोड में 22 दिसंबर 1887 को श्रीनिवास रामानुजन का जन्म हुआ। रामानुजन के पिता कपड़े की एक दुकान पर काम करते थे और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। मां काफी आस्तिक थीं और मंदिर में भजन गाती थीं। वहां मिलने वाले प्रसाद से ही घर के लोग एक वक्त का भोजन करते थे। दूसरे टाइम के खाने के लिए पिता की कमाई कई बार कम पड़ जाती थी। इसलिए ऐसा भी होता था कि पूरे परिवार को कई बार एक समय का भोजन ही नसीब नहीं होता था।

स्लेट पर हल करते सवाल, फिर कॉपी में लिखते उत्तर

इन सबके बीच रामानुजन बचपन से ही गणित की ओर आकर्षित हो गए और मुश्किल से मुश्किल सवाल हल करने लगे। इस विषय में उनकी असाधारण प्रतिभा सामने आने लगी। समस्या यह थी कि गरीब माता-पिता के पास कॉपियां खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे। इसलिए रामानुजन पहले स्लेट पर सभी सवाल हल करते थे। इसके बाद फाइनल उत्तर कॉपी में लिखते थे, जिससे जल्दी न भरे।

अपनी से बड़ी कक्षा के सवाल भी हल कर डालते

गणित के प्रति उनकी ऐसी दीवानगी थी कि अपनी कक्षा की किताबें कुछ ही दिनों में पढ़ लेते थे। इसके बाद बड़ी कक्षा के बच्चों से किताबें लेकर उनके सवाल हल कर डालते। इससे बड़ी कक्षाओं के बच्चे भी गणित के सवाल हल करने में उनकी मदद मांगने लगे और रामानुजन इसी ज्यादा गणित पढ़ने का मौका मिलने लगा। कहा जाता है कि गणित का कोई भी सवाल वह 100 से भी ज्यादा तरीकों से हल कर लेते थे। इसके चलते उन्होंने अनगिनत प्रमेयों की रचना की। गणित के नए-नए सूत्र दिए।

फंस जाते तब देवी करती थीं मदद

रामानुजन के साथ एक खास घटना होती थी। कई बार गणित के किसी प्रमेय या सवाल पर उलझते तो खाना-पीना सब भूल जाते थे। ऐसे में कई बार तो सवाल हल हो जाता था पर कई बार फंसा रहता था। तब देवी नामागिरी उनकी मदद करती थीं। देवी नामागिरी रामानुजन की कुल देवी थीं। उनका परिवार देवी नामागिरी को कई पीढ़ियों से मानता आया था।

रामानुजन खुद कहते थे कि जब भी वह किसी सवाल में फंस जाते हैं तो देवी नामागिरी सपने में आकर उसे हल करा देती हैं। उनकी प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक बार एक अंग्रेज शिक्षक ने कहा था कि मेरे पास अब कुछ भी ऐसा ज्ञान नहीं बचा है, जो इस बच्चे को दे सकूं। उसने तो यहां तक कह दिया था कि अगर सौ में से एक हजार अंक दे सकता तो रामानुजन को दे देता।

प्रचण्ड समय

फेल हुए तो खुदकुशी की कोशिश कर डाली

वहीं, रामानुजन गणित की दीवानगी में दूसरे विषयों से दूर होते गए। 11वीं कक्षा में तो ऐसा हुआ कि गणित में उन्हें पूरे अंक मिले पर दूसरे सभी विषयों में फेल हो गए। इससे वह तनाव में आ गए और जान देने की कोशिश तक कर डाली। हालांकि, इससे बच निकले और दूसरे विषयों की पढ़ाई किसी तरह से करते हुए 12वीं कक्षा पास कर ली और बंदरगाह पर क्लर्क की नौकरी करने लगे। इस दौरान जो भी समय मिलता, उसमें वह गणित के मुश्किल थ्योरम ही हल करते।

इसके साथ ही वह ब्रिटेन के गणितज्ञ जीएच हार्डी को चिट्ठियां लिखा करते थे, जिनकी पहचान दुनिया भर में एक जीनियस के रूप में थी। रामानुजन उनके साथ गणित पर और काम करना चाहते थे। शुरू में रामानुजन की चिट्ठियां इंग्लैंड में हार्डी को मिलीं तो मजाक में लेते रहे। हालांकि धीरे-धीरे उनको अंदाजा हो गया कि यह किसी मामूली क्लर्क की चिट्ठियां नहीं है। इस पर उन्होंने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में रामानुजन को स्कॉलरशिप दिलाकर इंग्लैंड बुला लिया।

रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन की सदस्यता मिली

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में रामानुजन को बिना किसी परवाह के दिन-रात गणित पढ़ने की छूट मिल गई। यूनिवर्सिटी की समृद्ध लाइब्रेरी में पढ़ते-पढ़ते उनके 20 से ज्यादा रिसर्च पेपर पब्लिश हुए। साइंस में स्नातक की डिग्री मिलने के बाद भारतीयों के लिए सबसे मुश्किल रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन की सदस्यता भी मिल गई। रामानुजन सबसे कम उम्र में इसकी सदस्यता पाने वाले पहले भारतीय थे। रामानुजन को बाद में ट्रिनिटी कॉलेज की फैलोशिप भी मिलने लगी। हालांकि, इंग्लैंड का सर्द मौसम उन्हें रास नहीं आ रहा था और तबीयत लगातार खराब रहने लगी। इससे उनको टीबी हो गई। इसके कारण उनको स्वदेश आना पड़ा और 26 अप्रैल 1920 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

मई महीने में कब-कब रखा जाएगा एकादशी का व्रत? जानें शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का बेहद खा महत्व है। हर महीने में 2 बार एकादशी व्रत रखा जाता है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-व्रत करने से व्यक्ति पर श्रीहरि की कृपा बनी रहती है, जिससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। वैशाख का महीना शुरू हो चुका है। ऐसे में आइए जानते हैं मई में कब कौन सी एकादशी पड़ रही है।

वैशाख का महीना 24 अप्रैल 2024 से शुरू हुआ था। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी वरुथिनी एकादशी के नाम से जानी जाती है। इस दिन सूर्योदय के पहले स्नान, दान, व्रत और भगवान विष्णु के वराह रूप की पूजा करने का विधान है। पुराणों में वर्णन है कि वरुथिनी एकादशी व्रत करने से अन्नदान और कन्यादान दोनों श्रेष्ठ दानों के बराबर फल मिलता है। वहीं, शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादाशी का विशेष महत्व माना गया है क्योंकि ये एकादशी वैशाख मास में आती हैं और एकादशी तिथि और वैशाख माह दोनों ही भगवान विष्णु को समर्पित है। आइए जानते हैं वैशाख की वरुथिनी एकादशी और मोहिनी एकादशी की डेट, मुहूर्त और महत्व।

वरुथिनी एकादशी 2024 कब है?

पंचांग के अनुसार, वरुथिनी एकादशी तिथि की शुरुआत 3 मई को रात 11 बजकर 25 मिनट पर होगी और जिसका समापन 4 मई की रात को 8 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में वरुथिनी एकादशी का व्रत 4 मई 2024 को किया जाएगा।

मोहिनी एकादशी 2024 कब है?

पंचांग के अनुसार, मोहिनी एकादशी तिथि की शुरुआत 18 मई को सुबह 11 बजकर 22 मिनट पर होगी और इसका समापन 19 मई को दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर होगा। ऐसे में मोहिनी एकादशी का व्रत 19 मई 2024 को रखा जाएगा।

एकादशी व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी व्रत करने का सभी तिथियों से विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। ऐसा माना जाता है कि एकादशी व्रत विधि-विधान करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है और साथ ही घर में सुख- शांति बनी रहती है।

वरुथिनी एकादशी महत्व

स्कंद पुराण के अनुसार, वरुथिनी एकादशी को सौभाग्य प्रदान करने वाली एकादशी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि अन्न-दान से श्रेष्ठ कोई भी दान नहीं है और इस दान से पितृ, देवता, मनुष्य आदि सब प्रसन्न होते हैं। स्वंय श्रीकृष्ण इस एकादशी तिथि की महिमा अर्जुन को समझाते हुए कहते हैं कि वरुथिनी एकादशी के दिन जो साधक व्रत करता है उसे अन्न दान और दस सहस्त्र वर्ष तपस्या करने के बराबर फल प्राप्त होता है।

प्रचण्ड समय

न्यूज ब्रीफ..

सख्ती से लागू हों सड़क सुरक्षा कानून - उपायुक्त जतिन लाल

प्रचण्ड समय

ऊना . उपायुक्त जतिन लाल ने ऊना जिला में सड़क सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि ओवर स्पीड और लापरवाही से ओवरटेक दुर्घटना का बड़ा कारण बनते हैं। ऐसा करने वालों से कड़ाई से निपटें।

वे शुक्रवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

जतिन लाल ने जिले में सड़कों को सुरक्षित, अतिक्रमण मुक्त तथा यातायात को जोखिम रहित बनाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण से काम करने को कहा। उन्होंने दुर्घनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को पूर्व सुधारात्मक कदम उठाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए।

ब्लैक स्पॉट सुधारें

उपायुक्त ने जिले में दुर्घटना संभावित स्थलों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान करके उन्हें सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यकतानुरूप सीसीटीवी कैमरे तथा क्रैश बैरियर, पैरापेट, लाइट रिफ्लेक्टर और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को अगली बैठक में सुधार कार्यों की रिपोर्ट लेकर आने को कहा।

उन्होंने हाल ही में टाहलीवाल में हुए तेल टैंकर के भीषण हादसे का जिक्र करते हुए दुर्घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरा, साइनेज तथा स्पीड ब्रेकर लगाने के भी निर्देश दिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना की पुनरावृति ना हो।

उपायुक्त ने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने तथा अवैध रेहड़ी-फड़ी को हटाने को कहा। बंगाणा तथा लठियाणी समेत सभी महत्वपूर्ण बाजारों, चौक-चौराहों को बाधा मुक्त बनाने के लिए वहां सड़कों से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए।

स्कूली वाहनों में अनिवार्य तौर पर हों कंडक्टर

जतिन लाल ने स्कूली वाहनों की फिटनेस तथा चालकों द्वारा यातायात नियमों का अनुपालन तय बनाने को कहा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए हर स्कूली वाहन में अनिवार्य तौर पर कंडक्टर हो। इसकी अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्हों सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल संचालकों से बैठक कर यह व्यवस्था सुनिश्चित बनाने को कहा।

एमसी तथा रोटरी चौक में तड़के सड़क पर ना लगे हुजूम

उपायुक्त ने ऊना में एमसी पार्क के सामने तथा रोटरी चौक में हर रोज तड़के बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के सड़क पर लगने वाले हुजूम के मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को इसे लेकर व्यवस्था बनाने को कहा। वहां तड़के लोगों को खड़ा होने के लिए सड़क से हट कर स्थान तय करने के निर्देश दिए, ताकि सुबह सड़क पर एक साथ बड़ी संख्या में लोग न खड़े हों और दुर्घटना की किसी भी आशंका को टाला जा सके।

दून विधानसभा क्षेत्र में 458 मतदान कर्मियों ने किया पहला पूर्वाभ्यास

प्रचण्ड समय

शिमला . लोकसभा चुनाव-2024 के सुचारू संचालन व मतदान प्रक्रिया को सुलभ बनाने के दृष्टिगत 52-दून विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान कर्मियों की पहली रिहर्सल आज राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में आयोजित की गई।

इस पूर्वाभ्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ विकास प्राधिकारी की अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी प्रिया नागटा ने की।

प्रिया नागटा ने इस अवसर पर उपस्थित सभी मतदान कर्मियों को मतदान प्रक्रिया के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) के सुचारू संचालन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित मतदान कर्मियों को रिहर्सल के दौरान सिखाई गई प्रक्रिया को ठीक से समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

नायब तहसीलदार (निर्वाचन) नालागढ़ गोपी चंद डोगरा ने मतदान कर्मियों को ई.वी.एम. के संचालन की जानकारी दी तथा मतदान कर्मियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया।

52-दून विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की पहले चरण की रिहर्सल में 458 मतदान कर्मियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर तहसीलदार बद्दी राजेश जरीयाल, नायब तहसीलदार बद्दी हीरा चंद मानटा, नायब तहसीलदार कुठाड़ (कृष्णगढ़) सूरत सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

मण्डी के बड़ा देव कमरूनागः इतिहास एवम् संस्कृति

प्रचण्ड समय . शिमला

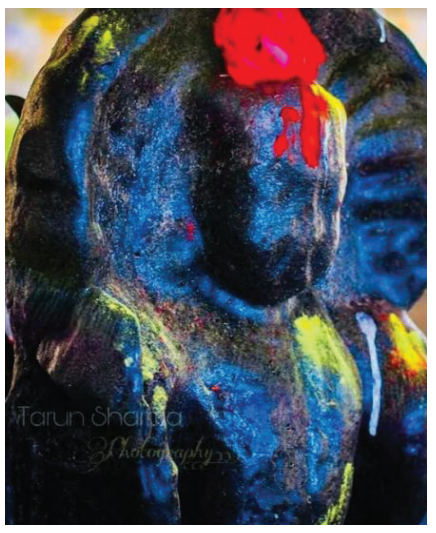

हिमाचल प्रदेश के केन्द्र में स्थित मण्डी जनपद को हिमालय की काशी कहा जाता है। यहां शैव,शाक्त,नाग व सिद्ध मत का प्राधान्य है। मण्डी- करसोग मार्ग पर रोहाण्डा के समीप कुमराह चोटी के अंचल में आठ हजार फुट की ऊंचाई पर नैसर्गिक सौंदर्य से सुशोभित रमणीय झील के समीप बड़ा देव कमरूनाग दैवीय आभा के मध्य प्रतिष्ठित हैं। मण्डी जनपद में देव कमरूनाग व कमरूदेव दो नामों से विख्यात बड़ा देव मण्डी के सशक्त देव हैं। पश्चिमी हिमालय का यह क्षेत्र प्राक् वैदिक काल में कोल,किरात,नाग,यक्ष एवम् गन्दर्भ जातियों की मूल स्थली रहा है। नाग को किरातों के रक्त बन्धु माना जाता है और यक्षों को जल के अधिपति। अतः आर्यों के सप्तसिंधु से इस क्षेत्र में आगमन से वैदिक धर्म का विस्तार हुआ। यही कारण है कि पश्चिमी हिमालय के मध्य में स्थित हिमाचल में आज भी उपरोक्त पांच जनजाति समूह का अस्तित्व दृष्टिगोचर होता है। यहां पूजित देव समुदाय में देव व दानवों का समुच्य द्रष्टव्य है। ऋग्वेद व परवर्ती पुराणकाल में आर्य व अनार्यों के पारस्परिक सम्बन्ध यहां की देव परम्पराओं में सहज ही प्रतिबिम्बित होते हैं। परिणामतः वैदिक परम्पराओं की तरह यहां की स्थानीय मान्यताओं और देव भार्थाओं (गौण या गड़ाई) में नागों का ऋषि या देव रूप में रूपान्तरण सहज ही परिलक्षित होता है। यही कारण है कि मण्डी जनपद के सशक्ततम् देव कमरूनाग पूर्व में हिमालय की आदि जनजाति नाग एवम् परवर्ती काल में यक्ष देव रूप में प्रतिष्ठित होते दिखते हैं।

देव कमरूनाग को प्रचलित मान्यता में महाभारतकाल से पूर्ववर्ती काल में नाग योनी में उत्पन्न माना जाता है। मान्यता के अनुसार नाग का जन्म होने के बाद नाग ने काण्डी कमरू चोटी के अंचल में कुमरो (कुंवरो) नामक झाड़ी में शरण ली। मां से बिछड़े नाग को उद्विग्न नाग माता ने पुत्र को खोजने का बहुत प्रयास किया। अंततः नाग माता ने कुमराह क्षेत्र में कुमरो झाड़ी बाहुल्य क्षेत्र में अपने पुत्र को प्राप्त किया। पुत्र के कुमरो (कुंवरो)झाड़ी में प्राप्त करने के कारण वे कमरूनाग (कुंवरूनाग) के नाम से विख्यात हुए। कमरूनाग यहां रमणीय झील में निवास करने लगे। इस क्षेत्र में अपने योगबल व तपोबल से वे पूरे पर्वतीय क्षेत्र के नाग शासक बने। अपने निष्पक्ष एवम् पुरूषार्थपरायण शासन के कारण वे उस जन्म में ख्यातिलब्ध शासक हुए। द्वापरयुग में जब आर्यवर्त के इन्द्रप्रस्थ में कुरूवंश का शासन एवम् पृथ्वी पर हरि विष्णु श्रीकृष्णरूप में अवतरित हुए उस काल में कमरूनाग यक्ष जाति में रत्नयक्ष नाम से अवतरित हूए। पूर्व जन्म के उच्चस्थ कर्मों से द्वापर युग में वे रत्नयक्ष नाम से विख्यात हुए। अपने तपोबल से रत्नयक्ष अजेय व अतुल बलशासक हुए। पूरे पर्वतीय क्षेत्र में उनके समान कोई योद्धा नहीं हुआ। महाभारत की रणभूमि वैदिक नदियों सरस्वती और दृषद्वती के मध्य स्थित कुरूक्षेत्र का चारों दिशाओं में शक्तिशाली यक्षोंः तरन्तुक,अरन्तुक,रामह्रद और मचकुक द्वारा रक्षा के दायित्व का उल्लेख मिलता है। उन चार यक्षों

में बीड़ पिपली में प्रतिष्ठित महाभारत के तरन्तुक यक्ष को कालांतर में रन्तुक यक्ष के नाम से जाना गया। वामन पुराण में इसी यक्ष को रत्नुन यक्ष भी कहा गया है। इस पुराण के अनुसार कुरूक्षेत्र की यात्रा आरम्भ करने से पूर्व रत्नुक यक्ष के दर्शन अनिवार्य है। वामन पुराण के अनुसार रत्नुक यक्ष के अभिवादन के बिना कुरूक्षेत्र के तीर्थों का कोई व्यक्ति पात्र नहीं बन सकता। इसी पुराण में रत्नुक यक्ष को यक्षेन्द्र कहा गया है। आदिकाल में

यक्ष भी सदाचारी,संत,और उत्कृष्ट योद्धा थे। ऋग्वेद व अथर्वेद में अनेक स्थानों पर यक्षों का वर्णन मिलता है। रामायण के किष्किंधा काण्ड में वानरराज सुग्रीव वानरों को सीता के अन्वेषण के लिये हिमालय में कैलाश के समीप यक्ष प्रदेश में जाने का निर्देश देते हैं। यह प्रदेश कैलाश के पूर्वोत्तर में चैत्ररथ वन के समीप था। कश्मीर से सम्बद्ध नीलमत पुराण के अनुसार यक्ष कश्मीर घाटी की आस-पास पहाड़ियों पर रहते थे। अतः ज्ञातव्य है कि पश्चिमी हिमालय के इस क्षेत्र में यक्ष समुदाय बसे थे। अतः महाभारत व पुराणकालीन रन्तुक (तरन्तुक) यक्ष की श्रेष्ठ मान्यता से इनका साम्य मण्डी के रत्न यक्ष से होने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। चूंकि मण्डी जनपद में आराधित यक्षेन्द्र रत्नयक्ष का महाभारत युद्ध में सम्मिलित होने का वर्णन कमरूदेव की भार्था में व्याख्यायित है जिसमें रत्नयक्ष को पर्वतराज के रूप में अभिहित कर युद्ध में सम्मिलित होने के लिये जाते हुए दर्शाया गया है। देवगाथा के अनुसार महाभारत का युद्ध कुरूक्षेत्र में होने लगा। राजा-राणाओं के दल कौरव-पाण्डवों की सहायता करने के लिये कुरूक्षेत्र पहुंचने लगे। राजाओं का राजा रत्नयक्ष भी युद्ध में भाग लेने के लिये पहुंचा जिसका नाम रत्नयक्ष थे। वह रत्न यक्ष पहाड़ों के राजा थे और वह अतुल बलशाली थे। जब महाभारत युद्ध का आरम्भ होना था तो पूरे भारतवर्ष के राजा कौरव अथवा पाण्डव पक्ष की ओर युद्ध में सम्मिलित होने लगे। ऐसे समय पर्वत राज रत्नयक्ष भी महायुद्ध में भाग लेने कुरूक्षेत्र पहुंचे। रत्न यक्ष के युद्ध में सम्मिलित होने और युद्धोपरान्त पाण्डवों द्वारा अपना देव मानने का वर्णन लोक परम्परा में सन्निहित है। स्थानीय परम्परा के अनुसार कुरूक्षेत्र में युद्ध पूर्व श्रीकृष्ण द्वारा रत्नयक्ष के शौर्य की परीक्षा का सन्दर्भ वही है जो भीम के पौत्र बर्बरीक से जुड़ा है। जब रत्नयक्ष युद्ध में सम्मिलित होने जा रहे थे तो श्रीकृष्ण ने विप्र रूप धरकर रत्नयक्ष के शौर्य की परीक्षा ली। जब श्रीकृष्ण ने रत्नयक्ष से पूछा कि आप किस पक्ष का साथ देने आए हैं। रत्नयक्ष ने कहा कि जो पक्ष युद्ध में पराजित हो रहा हो मैं उस पक्ष का साथ दूंगा। श्रीकृष्ण ने देखा कि रत्नयक्ष के तूणीर में केवल तीन ही बाण हैं। उन्होने पूछा कि आप इन तीन बाणों से युद्ध में विजय दिला सकते हो? रत्नयक्ष ने कहा कि महाभारत के युद्ध को समाप्त करने के लिये तो मेरा एक बाण ही सक्षम है। श्रीकृष्ण ने पास ही पेड़ के सभी पत्तों को बींधने के सामर्थ्य से रत्न यक्ष के शौर्य की पराक्षा ली और एक पत्ता अपने पांव के नीचे रखा। रत्नयक्ष के संधानित बाण ने पेड़ के सभी पत्तों को बींध डाला और श्रीकृष्ण के पांव तले रखे पत्ते को भी बींध डाला! रत्नयक्ष की अतुल वीरता से अभिभूत श्रीकृष्ण ने सोचा कि यदि पराजित हो रहे पक्ष को ऐसा बलशाली राजा का सम्भल मिल गया तो पाण्डव कभी भी विजय को प्राप्त नहीं करेंगे। अतः विप्ररूपधारी श्रीकृष्ण ने रत्नयक्ष से उनका शीश दान में मांगा। रत्नयक्ष ने श्रीकृष्ण के वास्तविक स्वरूप को जान लिया और तत्क्षण अपना शीश अर्पित कर दिया। रत्नयक्ष की प्रार्थना पर उनके शीश को युद्ध देखने के लिये ऊंचे स्थान पर रखा दिया गया। युद्ध में रत्नयक्ष की द्रष्टा रूप में भी इतनी शक्ति थी कि उनके संकल्प के अनुसार पराजित होने वाले पक्ष को बल प्राप्त हो रहा था। अनिश्चय की स्थिति को देखते हुए श्रीकृष्ण ने रत्नयक्ष से कहा कि वे निर्पेक्ष रहे। श्रीकृष्ण ने उनसे कहा कि यदि पाण्डव विजयी हुए तो वे उन्हे अपना कुलदेव बनाएंगे। तदोपरान्त युद्ध की स्वाभाविक स्थिति होने पर पाण्डव विजयी हूए और रत्नयक्ष को अपना कुलदेव बनाया।

महाभारत के युद्ध में विजय प्राप्त करने के पश्चात पाण्डवों ने रत्नयक्ष से कह कि वे कहां प्रतिष्ठित होना चाहते हैं। रत्नयक्ष ने कहा कि वह हिमालय में अपने मूल स्थान पर रहना चाहता हैं। पाण्डवों ने कुलदेव का शीश लेकर हिमालय की ओर प्रस्थान किया। जब पाण्डव मण्डी के नलसर नामक स्थान पर पहुंचे तो उन्होने वहां कुलदेव के शीश को स्थापित करना चाहा। परन्तु एकान्तप्रिय रत्नयक्ष को वह स्थान साधना के लिये उपयुक्त नही लगा। अतः पाण्डव रत्नयक्ष के शीश को लेकर कमरू क्षेत्र में अवस्थित झील के किनारे पहुंचे तो रत्नयक्ष के स्वागत के लिये भेड़-बकरी पालक पुहाल दण्डवत् होकर खड़े हो गये। रत्नयक्ष ने पाण्डवों से कहा कि यह मेरा मौलिक स्थान है और मैं यही रहना चाहता हूं। पाण्डवों द्वारा रत्नयक्ष से मौलिक स्थान के विषय में पूछे जाने पर उन्होने कहा कि मैं पूर्ववर्ती त्रेतायुग में इसी स्थान पर नाग रूप में रहा हूं। त्रेतायुग में एक निःसंतान दम्पति ने वासुकि नाग से संतान का वरदान मांगा। अतः नागराज की कृपा मेरी माता ने नौ नागों को जन्म दिया जिनमें से मैं एक था। एक दिन माता हमें पिटारे में रखकर गाय दुहने चली गई। संयोगवश एक महिला घर में आई और उसने उत्सुकतावश पिटारे को खोला। हम शिशु नागों को देखकर पिटारा महिला के हाथ से छूटकर आग में गिर गया। भयाकुल हम सभी भाई आत्मरक्षा के लिये भागे। मैं भी आत्मरक्षा के लिये यहां कुंवरो झाड़ी में छिप गया। हताश माता-पिता अपने बच्चों को ढूंढने निकले। माता-पिता ने मुझे यहां कुंवरों झाड़ी में पाया। अतः कुंवरो झाड़ी में मिलने के कारण मेरा नाम कुंवरूनाग रखा। त्रेतायुग के पश्चात इस युग (द्वापर) में मेरा जन्म यक्ष योनी में हुआ और रत्नयक्ष नाम से राज्य किया। अतः मैं यहां अपने मूलस्थान में आकर यहीं रहना चाहता हूं। अतः पाण्डवों ने अपने कुलदेव (ठाकुर) को कुमराह में प्रतिष्ठित किया।

देव कमरूनाग अपने दो जन्मों के स्वरूप के साथ यहां प्रतिष्ठित हैं। ऐसी भी मान्यता है कि कमरूनाग का वास्तविक नाम रत्नयक्ष था। देव भार्था में भी वे स्वयम् को रत्नयक्ष नाम से उल्लेख कर कुरूक्षेत्र युद्ध में सम्मिलित होते हैं।

कमरूनाग देव का जो धात्विक रूप सूरज पंखा में कुमराह में विराजित है वह चतुर्भुज श्रीविष्णुस्वरूप है। यही विग्रह देवयात्रा में सुशोभित होता है। यदि देव कमरूनाग के धात्विक विग्रह को देखा जाए तो निःसंदेह वे पाण्डुपुत्र भीम के पौत्र बर्बरीक है। बर्बरीक का महाभारत युद्ध में सम्मिलित होना और श्रीकृष्ण द्वारा शीश दान में मांगने की घटना इस हिमालयी क्षेत्र में भी प्रचलित है। इसके अतिरिक्त एक परम्परानुसार देव कमरूनाग बर्बरीक ही है जो खाटू श्याम नाम से जगत्प्रसिद्ध है। लोक मान्यताओं और महाभारत के अनुसार कुलांत पीठ क्षेत्र में हिडिम्ब का राज्य था। महाभारतकाल में कुलींत पीठ में क्षेत्र ब्यास-सतलुज घाटी का क्षेत्र भी सम्मिलित था। भीम द्वारा हिडिम्ब का वध किये जाने के बाद हिडिम्बा कुलांत क्षेत्र की शासिका बनी। भीम-हिडिम्बा के पुत्र घटोत्कच का इस क्षेत्र में देव रूप में आराधन आज भी होता है। अतः घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक का कुमराह के सुरम्य क्षेत्र में शासन होना प्रमाणिक लगता है। वास्तव में हिमालय की आदिम जातियां-नाग,यक्ष व किरात सशक्त जातियां रहीं हैं। नाग व यक्ष जलस्रोतों के रक्षक एवम् अधिपति रहे हैं। मत्स्यपुराण में राक्षस,पिशाच,यक्ष, विद्यधर,किन्नर तथा अप्सराओं को हिमवान पर्वत का निवासी अभिहित किया गया है। अतः सम्भव है कि बर्बरीक रत्नयक्ष रूप में अपने अतुल सामर्थ्य से जनमानस में विख्यात हुए हो। वास्तव में हिमालयी क्षेत्र में नाग व यक्ष आदि अनार्य जातियों का वर्चस्व स्थापित था। सम्भव है कि हिमालय के मूल निवासी होते हुए देव भीम के पौत्र देवकमरूनाग यक्ष अधिपति बन कर रत्नयक्ष नाम से पर्वत के राजा के रूप में विख्यात हुए हों। चूंकि महाभारत में उल्लेखित घटना के अनुसार श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शौर्य एवम् बलिदान को देखते हुए कलियुग में इन्हे अपना चतुर्भुज स्वरूप और सम्पूर्ण शक्तियां प्रदान की थीं। यही कारण है कि देव कमरूनाग पाण्डवों द्वारा अपने मूल स्थान पर प्रतिष्ठित हुए और पाण्डवों के ठाकुर कहलाए। अतः देव कमरूनाग कुमराह में अपने दो स्वरूपों में विराजित हैं। उनका एक स्वरूप नाग देव का है और वे यहां झील में प्रतिष्ठित हैं। आषाढ़ संक्रांति में मध्य-जून में देव कमरूनाग के सम्मान में सरनाहुली मेले का आयोजन होता है। देवकमरूनाग का पूजन देवदार के वृक्ष में प्रतिष्ठित वन देवियों सहित होता है। इस विशाल सांस्कृतिक आयोजन में श्रद्धानवत् लोग द्रव्य राशि एवम् आभूषणों को यथासंकल्प झील में विसर्जित करते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा जो राशि झील के समीप देव कमरूनाग के मंदिर में धनराशि अर्पित होती है,उसे भी देव परम्परानुसार झील में विसर्जित किया जाता है। देव कमरूनाग कुमराह में अपने धात्विक स्वरूप में श्रीविष्णु के स्वरूप को धारण किये हुए है जो इस बात को पुष्ट करता है कि देव कमरूनाग भीम के पौत्र बर्बरीक हैं जो इस युग में श्री श्याम रूप में हारे का सहारा बने हैं। देवकमरूनाग का श्रीविष्णु स्वरूप उन्हे श्रीकृष्ण द्वारा अपने स्वरूप व शक्तियों को प्रदान करने की महाभारतकालीन घटना को पुष्ट करता है। कुमराह के पश्चिम में करसोग-मण्डी रोड पर रोहाण्डा के समीप पूर्ववर्ती सुकेत रियासत के अंतर्गत मझोठी नामक स्थान पर कमरूनाग का मंदिर अवस्थित है। यहां प्रचलित लोकमान्यता में देव कमरूनाग के महाभारत युद्ध में सम्मिलित होने और श्रीकृष्ण द्वारा शीश मांगने व तदोपरान्त पूरे युद्ध को देखने का वर्णन निहित है। मझोठी में देव कमरूनाग अपने धात्विक विग्रह में सूरज पंखा में ही विराजित हैं। देव का अंकन मानवरूप में है और उनके चहुंओर पांचों पाण्डवों के चित्र अंकित है। अतः देव कमरूनाग मण्डी जनपद में दो स्वरूपों में विराजमान हैं। पाण्डवों द्वारा देव कमरूनाग के कुमराह (सरनाहुली) व मझोठी में स्थापित किये जाने के पुरातात्विक प्रमाण भी विद्यमान है। रोहाण्डा से कुमराह मार्ग पर एक शिला पर भीम के विशाल पदचिन्ह का अंकन देवकमरूनाग व पाण्डवों के सम्बन्धों को पुष्ट करता है।

पश्चिमी हिमालय के मध्य में स्थित हिमाचल की भूमि प्राक् वैदिक व वैदिक घटनाओं की स्थली रही है। देव कमरूनाग इस हिमालयी क्षेत्र में प्रचलित नाग मत के अग्रणी रहे हैं। वे वर्षा के सशक्त देव एवम् संतति सौख्य के प्रदाता माने जाते हैं। देव के युग-युगीन कठोर नियमों का अनुपालन आज भी यथावत् होता आ रहा है। उनके कठोर नियमों की अवहेलना होने पर लोगों को उनके कोप का भाजन भी बनना पड़ता है। समय के साथ बहुत से मिथक देव गाथाओं में विस्मृत व जुड़ते रहे हैं। अतः अलग-अलग काल खण्ड में देवोत्पति सम्बंधी देवगाथाएं, चरित्र नाम एवम् कथाएं छिटपुट परिवर्तन के साथ आज भी विद्यमान है। देव कमरूनाग के त्रेतायुग में नाग रूप में प्राकट्य और परवर्तीकाल द्वापर युग में यक्षराज(रत्नयक्ष) बर्बरीक रूप में प्रतिष्ठा देव के युग-युगीन दिव्य आभा की परिचायक है।

-डॉक्टर हिमेंद्र बाली "हिम"
अध्यक्ष सुकेत संस्कृति साहित्य और जन-कल्याण मंच पांगणा-सुकेत।

रियलमी ने केवल 10,999 रुपये में सेगमेंट का सबसे तेज स्मार्टफोन,रियलमी नार्ज़ो 70 सीरीज़ 5जी लॉन्च किया

प्रचण्ड समय . शिमला

,सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज रियलमी नार्ज़ो श्रृंखला में रियलमी नार्ज़ो 70 सीरीज़ 5जी का लॉन्च किया। इस सीरीज़ में दो अत्याधुनिक स्मार्टफोन रियलमी नार्ज़ो 70एक्स 5जी और रियलमी नार्ज़ो 70 5जी पेश किए गए हैं।रियलमी नार्ज़ो स्टाईलिश स्मार्टफोंस की सीरीज़ है, जो यूज़र्स को विस्तृत अनुभव प्रदान करती है।भारत में स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने वाली रियलमी नार्ज़ो सीरीज़ का उपयोग करने वाले यूज़र्स की संख्या 16 मिलियन से ज्यादा है।इन डिवाईसेज़ को आधुनिक टेक्नोलॉजी और प्रीमियम फीचर्स के साथ डिज़ाईन किया गया है,ताकि यूज़र्स अपने अद्वितीय स्टाईल का प्रदर्शन करते हुए ट्रेंड में सबसे आगे रह सकें। ग्राहकों को शॉपिंग का बेहतर अनुभव प्रदान करते हुए रियलमी नार्ज़ो सीरीज़ उपलब्ध कराने के लिए रियलमी और अमेज़न ने गठबंधन किया है।

इस गठबंधन के अंतर्गत यूज़र्स को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ रियलमी नार्ज़ो सीरीज़ केवल अमेज़न.इन पर मिलेगी।

रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''हमें रियलमी नार्ज़ो 70 सीरीज़ 5जी के लॉन्च की घोषणा करने की खुशी है।यह यूज़र्स को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी एवं प्रीमियम फीचर्स प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।यह सीरीज़ स्मार्टफोन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करती है,जो यूज़र्स को लगातार विकसित होते हुए डिजिटल परिदृश्य में संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाईन की गई है। अपनी आधुनिक और शक्तिशाली विशेषताओं के साथ रियलमी नार्ज़ो 70 सीरीज़ 5जी स्मार्टफोन के अनुभव को बदल देगी।

In The Court of National Consumer Disputes Redressal Commission New Delhi

Revision Petition No. 663 of 2023 (Before: Hon'ble Dr. Inderjit Singh, Presiding Member)

N. D·H - 28-5-2024.

In matter of:

Harinder Singh s/o Mehar singh R/O vill. Ganog P.O Deha Tehsil Theog , Shimla (HP). -Petitioner

VS

Tata AIG General Insurance Company Ltd, Ground Floor, MC. House, Khalini shimla-2.

- HP, through its manager. -Respondent.

Tata AIG i.e Respondent is requested to appear before the Honourable National Consumer Disputes Redressal Commission New Delhi on dated 28-5-2024. at 10: 30 am failing which The matter will be disposed of ex partee.

4 हजार मौतें, 2.5 लाख करोड़ नुकसान और रेडिएशन से कैंसर... चेर्नोबिल त्रासदी ने कितना कुछ छीना?

इतिहास में 26 अप्रैल 1986 की तारीख काले अक्षरों में दर्ज है। इसका कारण है दुनिया की बड़ी त्रासदियों में से एक चेर्नोबिल न्यूक्लियर प्लांट त्रासदी इसी दिन घटित हुई थी। उस समय सोवियत संघ का हिस्सा रहे आज के यूक्रेन में चेर्नोबिल न्यूक्लियर प्लांट की टेस्टिंग होनी थी। रात में टेस्टिंग के दौरान न्यूक्लियर फ्यूजन से नियंत्रण हट गया और प्लांट में जोरदार धमाका हुआ। इससे प्लांट में मौजूद 40 लोगों की जान चली गई।

इतना भीषण रेडिएशन फैला कि 50 लाख लोग इसकी चपेट में आ गया। बाद में रेडिएशन के कारण कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की चपेट में आकर चार हजार से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस हादसे की वर्षगांठ पर आइए नुकसान का जायजा लेने की कोशिश करते हैं।

कम आबादी वाले क्षेत्र में बनाया गया था रिएक्टर

सोवियत संघ का हिस्सा रहे वर्तमान के यूक्रेन की राजधानी कीव से लगभग 130 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर में नया शहर बसाया गया था प्रिपयेट। इसी शहर से करीब तीन किलोमीटर दूरी पर चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट स्थापित किया गया था। इस जगह को इसलिए चुना गया था, क्योंकि रूस के इस इलाके में तब आबादी काफी कम थी। हालांकि, नया शहर बेलारूस के दक्षिण में सीमा से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

इस पावर प्लांट में चार न्यूक्लियर रिएक्टर लगाए गए थे। सबसे पहले यूनिट-1 का काम 1970 में पूरा हो गया था। यूनिट-2 1977 में और यूनिट-3 व 4 का काम भी 1983 में पूरा हो गया था।प्रिपयेट में तब करीब 49 हजार लोग रहते थे और चेर्नोबिल की आबादी 12 हजार के करीब थी, जबकि आसपास के 30 किलोमीटर के दायरे में कुल मिलाकर 1।5 लाख लोग रहते थे।

कंट्रोल से बाहर हो गया न्यूक्लियर

प्रचण्ड समय

फ्यूजन

26 अप्रैल को पावर प्लांट फेल होने को लेकर एक टेस्ट की तैयारी की गई थी। इसमें यह देखना था कि अगर बिजली की सप्लाई किसी कारण से बंद हो जाती है तो बाकी मशीनें काम करेंगी या नहीं। बिजली जाने पर टर्बाइन चलेगी या नहीं, चलेगी तो कितनी देर तक बिजली उत्पादन होता रहेगा। बिजली बनती है तो कितनी देर तक रिएक्टर को ठंडा रखने वाली मशीन चलेगी।

25 अप्रैल की रात में ही टेस्ट की तैयारी शुरू हो गई। देर रात करीब 1।30 बजे टर्बाइन को कंट्रोल करने वाले वॉल्व को हटा लिया गया और साथ ही रिएक्टर को इमरजेंसी में ठंडा करने वाले सिस्टम को भी बंद कर दिया गया। इसके अलावा रिएक्टर में किसी इमरजेंसी के दौरान न्यूक्लियर फ्यूजन रोकने वाले स्विच को भी बंद कर दिया गया। बस, यहीं गड़बड़ हो गई और न्यूक्लियर फ्यूजन कंट्रोल से बाहर हो गया।

हिरोशिमा और नागासाकी में गिरे बमों से ज्यादा थी तीव्रता

न्यूक्लियर फ्यूजन कंट्रोल के बाहर होने के कारण प्लांट में ब्लास्ट हुआ और न्यूक्लियर रेडिएशन लीक होने लगी। धमाके के कारण मौके पर ही 40 लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोग जल गए। रेडिएशन वातावरण में फैलने लगा। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस रेडिएशन की तीव्रता हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए अमेरिका के बमों से कई गुना ज्यादा थी।

कैंसर की चपेट में आए लोग, 2।5 लाख करोड़ का नुकसान

आसपास की आबादी काफी कम होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस हादसे का शिकार हुए। देखते ही देखते हवा के साथ रेडिएशन पूरे नॉर्थ और ईस्ट यूरोप में फैल गया। रूस, यूक्रेन और बेलारूस में 50 लाख से भी ज्यादा लोग रेडिएशन के शिकार बने। इस रेडिएशन के कारण बड़ी संख्या में लोग कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए। बाद में भी लंबे समय तक लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता रहा और सोवियत संघ में ही करीब चार हजार लोगों की मौत हो गई।

आस-पास के देशों में मौतों का कोई आधिकारिक आंकड़ा ही नहीं है। इस घटना से करीब 2।5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे प्रभावित देशों में लंबे समय तक लोगों को स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें होती रहीं।

स्वीडन तक पहुंच गई थी रेडिएशन और राख

हादसे के बाद आनन-फानन में सोवियत संघ ने प्रियपेट से लोगों को निकालना शुरू किया। मामले को दबाने की कोशिश की पर रेडिएशन को भला कैसे रोक पाते। हादसे से उठी आग से पैदा हुई राख दूर-दूर तक फैलती गई और यह स्वीडन तक पहुंच गई। प्रियपेट से करीब 800 मील दूर स्वीडन में स्थित रेडिएशन मॉनीटरिंग स्टेशन ने रेडिएशन और राख को तुरंत पकड़ लिया। इसने बताया कि हवा में नॉर्मल से 40 प्रतिशत ज्यादा रेडिएशन है। इसके कारण दूसरे देशों ने बचाव के उपाय शुरू किए, तब तक काफी देर हो चुकी थी। बाद में स्वीडन की रिपोर्ट के आधार पर सोवियत संघ ने इस दुर्घटना को स्वीकार किया था।

पूर्व IPS देबाशीष का चुनाव में नामांकन रद्द, क्या वापस मिलेगी वर्दी? जानें क्या कहता है नियम

पश्चिम बंगाल की बीरभूम लोकसभा सीट से पूर्व IPS और भाजपा उम्मीदवार देबाशीष धर का नामांकन रद्द हो गया है। इस्तीफा देने के बाद भाजपा ने उन्हें बीरभूम सीट से टिकट दिया था। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को पूर्व IPS अधिकारी की उम्मीदवारी रद्द कर दी है। हालांकि, नामांकन रद्द होने के साथ ही भाजपा ने इस सीट पर दूसरे उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया। बीरभूम लोकसभा सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा।

चुनाव ने देबाशीष धर का नामांकन रद्द होने की वजह भी बताई है। आयोग का कहना है कि उनकी तरफ से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट न देने के कारण उम्मीदवारी रद्द की गई है। ऐसे में सवाल है कि क्या राजनीति में आने वाले देबाशीष धर की सरकारी नौकरी में वापसी हो पाएगी। जानिए कहता है नियम।

क्या है आईपीएस के इस्तीफे पर नियम?

बतौर आईपीएस देबाशीष धर ने पिछले महीने इस्तीफा दिया था। अब अगर वो नौकरी में वापसी करना चाहें तो क्या यह संभव हो पाएगा? ऐसे मामलों के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को लेकर नियम है। ऑल इंडिया सर्विसेज के रूल 5(1) और 5(1)(A) के इस्तीफे से जुड़े नियम के मुताबिक, अगर कोई अफसर रिजाइन करता है तो उसका इस्तीफा बिना किसी शर्त के होना चाहिए। इस्तीफे में ऐसा करने की वजह दर्ज होनी चाहिए।

एक IPS राज्य के सर्वोच्च पुलिस अधिकारी या DGP को अपना इस्तीफा सौंपता है। इस्तीफा

प्रचण्ड समय

मंजूर होगा या नहीं, इसके लिए इन अधिकारियों को केंद्र सरकार से मंजूरी लेनी होगी। आईपीएस के इस्तीफे को गृह मंत्रालय मंजूरी देता है। वहीं, IAS के इस्तीफे को डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (DOPT) और IFS के रेजिग्नेशन को पर्यावरण मंत्रालय अप्रूव करता है।

IPS हो या IAS, ऑल इंडिया सर्विसेज से जुड़े अफसर को वापसी के लिए इस्तीफा वापस लेना होगा। इसको लेकर भी नियम है। अगर ये सरकारी नौकरी में वापसी करना चाहते हैं तो रिजाइन करने के 90 दिनों के दिन इस्तीफा वापस लेना होगा। इस्तीफा वापस लेने के लिए लिखित आवेदन करने की प्रक्रिया का पालन करना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, देबाशीष धर ने पिछले महीने इस्तीफा दिया था, इसलिए उनके पास इसे वापस लेने का मौका है।

कब नहीं होगी वापसी?

कुछ ऐसे भी हालात बनते हैं जब ऐसे केंद्रीय कर्मचारी इस्तीफा वापस नहीं ले सकते। ऑल इंडिया सर्विस रूल्स के मुताबिक, अगर किसी अफसर ने इस मंशा के साथ रिजाइन दिया है कि वो पॉलिटिकल पार्टी की सदस्यता लेगा या चुनाव लड़ने के लिए टिकट हासिल करेगा तो उसे इस्तीफा वापस लेने का भी अधिकार नहीं दिया जाएगा। अगर इस्तीफा मंजूर हो जाता है और प्रॉसेस पूरी हो जाती है तो वापसी नहीं हो सकती। हालांकि, इसके बाद सरकार चाहें तो संज्ञान लेते हुए सरकारी नौकरी में इनकी वापसी करा सकती है। लेकिन कैंडिडेट इसके लिए किसी तरह की कानूनी प्रक्रिया नहीं अपना सकता।

आखिर क्या होता है वैम्पायर फेशियल, इससे महिलाओं को एचआईवी का खतरा

बुढ़ापे को छुपाने के लिए आजकल न सिर्फ ब्यूटी प्रोडक्ट्स बल्कि अलग-अलग तरह की कॉस्मेटिक सर्जरी भी कराई जा रही हैं। चेहरे को जवां बनाए रखने के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसे वैम्पायर फेशियल का नाम दिया जाता है। न्यू मेक्सिको के एक स्पा में इस प्रोसेस को फॉलो करने के कारण तीन महिलाओं को एचआईवी के कॉन्टेक्ट में पाया गया है। फेशियल का ये तरीका बेहद अजीबो-गरीब है। ये जानकारी खुद अमेरिका से सेंटर्स फॉर डिजीज एंड कंट्रोल (सीडीसी) ने शेयर है। सीडीसी की ओर से बताया गया कि न्यू मेक्सिको के एक स्पा में वैम्पायर फेशियल कराने के कारण तीन महिलाएं एचआईवी संक्रमण हो गया है।

चलिए आपको बताते हैं कि आखिर ये वैम्पायर फेशियल कैसे होता है। साथ ही जानें इसे कराने वाला व्यक्ति कैसे एचआईवी संक्रमण का शिकार हो जाता है। इसके अलावा बचाव के लिए किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए। जानें...

क्या है पूरा मामला

वैम्पायर फेशियल में बाजुओं से खून को निकालकर फेस पर इंजेक्ट किया जाता है। इसे प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा माइक्रोनीडलिंग प्रोसेस कहा जाता है और आम भाषा में फेशियल ही पुकारा जाता है। बात साल 2018 की जब महिलाओं ने मैक्सिको के एक बिना लाइसेंस वाले स्पा में वैम्पायर फेशियल कराया। इसके बाद जब इन महिलाओं की जांच की गई तो इन्हें एचआईवी संक्रमित पाया गया। आरोप है कि महिलाओं पर जिन

प्रचण्ड समय

कॉस्मेटिक इंजेक्शन का इस्तेमाल हुआ है उसकी वजह से वे एचआईवी की चपेट में आई हैं। आरएमएल हॉस्पिटल के सीनियर रेसिडेंट डॉ। अंकित कुमार कहते हैं कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का ब्लड किसी व्यक्ति में शरीर में जाने से एचआईवी हो सकता है।

सीडीसी ने हर तरीके से जांच की और ये पाया गया कि महिला ने न तो इंजेक्शन से ड्रग्स ली, न उसे संक्रमित खून चढ़ाया गया और न उसने एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के साथ फिजिकल रिलेशन बनाएं। ये पाया गया कि पीड़िता को ये संक्रमण कॉस्मेटिक इंजेक्शन के कारण ही हुआ। बिना लाइसेंस के चलने वाला स्पा की लापरवाही का मुद्दा साल 2019 में भी उठा। न्यू मेक्सिको हेल्थ डिपार्टमेंट के उठाए गए कदमों के बाद ये स्पा बंद कर दिया गया। साथ ही निर्देश दिया गया कि जिन लोगों ने यहां से फेशियल वैम्पायर कराया है उनकी कई जांचें फ्री में होंगी। इसमें करीब ऐसे 200 लोगों की जांच की गई जो स्पा के क्लाइंट रह चुके हैं। हालांकि इनमें से कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया।

ऑनलाइन रिपोर्ट्स के मुताबिक इस वैम्पायर फेशियल की पूरी प्रक्रिया में 40 से 50 मिनट लगते हैं। अगर किसी के चेहरे पर दाग-धब्बे हैं या फिर दूसरे निशान हैं तो इन्हें दूर करने के लिए ये प्रोसेस फॉलो किया जाता है। हाथ से निकाले गए खून को इंजेक्शन की मदद से उसी इंसान के चेहरे पर इंजेक्ट किया जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैम्पायर फेशियल जैसे तरीके को आजमाने के बाद ये प्लेटलेट्स नए स्किन सेल्स की ग्रोथ और कोलेजन को बूस्ट करती है। इससे स्किन के टेक्सचर में सुधार आता है।

इलियाना डिक्रूज ने अपनी शादी पर लगाई मुहर, पति माइकल डोलन पर बोलीं- 'वो मेरे बुरे वक्त...'

मुंबई. बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से चर्चा में हैं। बीते साल इलियाना डिक्रूज ने अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बताया था। इस खबर के सामने आने के बाद लोग हैरान हो गए थे। अगस्त में इलियाना डिक्रूज ने अपने बच्चे को जन्म दिया था। वहीं उनके पति को लेकर खबरें वायरल होते रहती हैं। इस बीच इलियाना डिक्रूज ने अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने इंटरव्यू में बताया है कि वह शादीशुदा है।

इलियाना डिक्रूज ने कही ये बात

लियाना डिक्रूज इन दिनों चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बीच इलियाना डिक्रूज ने इंडिया टुडे को इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बड़ी बात कह दी है। अब इलियाना डिक्रूज ने अपनी शादी पर मुहर लगा दी है। इलियाना डिक्रूज ने कहा, 'मैरिड लाइफ काफी अच्छी चल रही है। ये कहना बहुत मुश्किल है कि मुझे उसके बारे में क्या पसंद है। उसने मेरे बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।' बता दें कि इलियाना डिक्रूज और उनके पति माइकल डोलन की फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल होती है। फैंस इन दोनों की जोड़ी को खूब पसंद करते हैं।

इस मूवी में नजर आई थीं इलियाना डिक्रूज

बताते चलें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज हाल ही फिल्म दो और दो प्यार में नजर आई थी। इस मूवी में उन्होंने काफी अच्छी एक्टिंग की है। लोग इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं। मालूम हो कि बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इलियाना डिक्रूज अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। इलियाना डिक्रूज के हर एक पोस्ट पर लोग प्यार बरसाते हैं।

रवि किशन को डीएनए टेस्ट में कोर्ट से मिली राहत, 'तारक मेहता...' एक्टर गुरुचरण सिंह हुए लापता

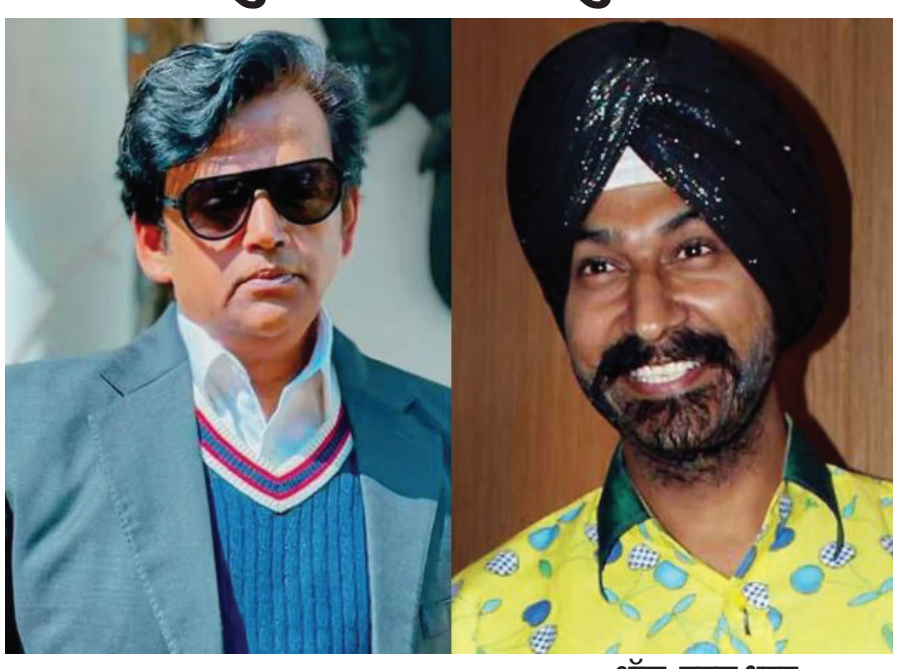

मुंबई. रवि किशन की बेटी होने का दावा करने वाली शिनोवा की डीएनए की मांग कोर्ट ने खारिज कर दिया है। टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के एक्टर गुरुचरण सिंह (रोशन सिंह सोढ़ी) कई दिनों से लापता हैं।

रवि किशन को कोर्ट से मिली राहत

अभिनेता और राजनेता रवि किशन बीते काफी दिनों से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, एक महिला ने दावा किया था कि वह रवि किशन की पत्नी हैं और उनकी एक 25 साल की बेटी शिनोवा है। इसके बाद शिनोवा कोर्ट में मांग की थी कि रवि किशन का डीएनए करवाया जाए। हालांकि, रवि किशन को कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने डीएनए की मांग को खारिज कर दिया है।

गुरुचरण सिंह हुए लापता

टीवी के पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने लोगों को खूब एंटरटेन किया है। अब इस शो से जुड़े रहे गुरुचरण सिंह (रोशन सिंह सोढ़ी) को लेकर हैरान करने वाली खबर आई है। दरअसल, गुरुचरण सिंह कई दिनों से लापता हैं। गुरुचरण सिंह ने इंडिया टुडे संग बातचीत में बताया है कि उनका बेटा 22 अप्रैल से लापता है और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

करण जौहर को मिलेगा गोल्ड लीजेंड सम्मान

पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में बनाकर लोगों का जमकर मनोरंजन किया है। अब करण जौहर के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। दरअसल, गोल्ड हाउस ने अपने वार्षिक गोल्ड गाल की घोषणा कर दी है। गोल्ड गाला में करण जौहर को सम्मानित किया जाएगा। ये इवेंट 11 मई को लॉस एंजिल्स में होने वाला है।

ओटीटी पर आई 'योद्धा'

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस ने फिल्म ने बॉक्स ऑफिस कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया। सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'योद्धा' ने अब ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे दी है। फिल्म सिद्धार्थ मल्होत्रा के अलावा दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

राहा संग नजर आई आलिया

आलिया भट्ट के वीडियोज और फोटोज आए दिन वायरल होते रहते हैं। अब आलिया भट्ट का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह अपनी बेटी राहा को गोद में लिए नजर आईं। आलिया भट्ट कहीं जा रही हैं और उनके साथ उनका स्टॉफ नजर आया। आलिया भट्ट और उनकी बेटी राहा का वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रहा है और इस पर कमेंट आ रहे हैं।

करण जौहर की फिल्म में धमाल मचाएंगे टाइगर श्रॉफ-वरुण धवन

टाइगर श्रॉफ, जल्द ही वरुण धवन के साथ एक एक्शन कॉमेडी में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस मूवी को फेमस डायरेक्टर राज मेहता डायरेक्ट करने वाले हैं। वहीं इसे प्रोड्यूस करण जौहर करेंगे। खास बात तो ये है कि इस मूवी के डायलॉग्स पर अनुराग कश्यप काम करने वाले हैं। बता दें कि करण जौहर ने वरुण धवन और टाइगर श्रॉफ को बॉलीवुड इंडस्ट्री में लॉन्च किया था।

पहली बार दिखेगी वरुण धवन-टाइगर श्रॉफ की जोड़ी

बताते चलें कि बड़े पर्दे पर पहली बार करण जौहर और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी धमाल मचाने वाली है। फैंस इन दोनों को साथ देखने के लिए काफी बेताब है। अब देखना ये दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर टाइगर श्रॉफ और वरुण धवन कैसा परफॉर्म करते हैं। मालूम हो कि टाइगर श्रॉफ काफी समय से एक बड़ी हिट मूवी की तलाश कर रहे हैं। वहीं वरुण धवन का भी यही हाल है। लोगों के ये मानना है कि करण जौहर की इस मूवी से वरुण धवन और टाइगर श्रॉफ की किस्मत बदल जाएगी।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।